MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOU
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 15 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-102

आवश्यक सूचना

प्रिय पाठकों,

मौजूदा युद्ध तनाव और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न व्यवधानों के कारण, हमें खेद है कि हम वर्तमान में समाचार पत्र का मुद्रण जारी रखने में असमर्थ हैं। हालाँकि, हमारी ऑनलाइन और व्हाट्सएप सेवा पहले की तरह जारी रहेगी, और आप इन माध्यमों से पहले की तरह नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान हम आपसे सहयोग और धैर्य बनाए रखने का अनुरोध करते हैं। स्थिति सामान्य होते ही हम मुद्रण सेवाएं पुनः शुरू कर देंगे। आपके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद।

प्रबंधक
शुभ लाभ

चौधरी सम्राट

बिहार में पहली बार भाजपा सीएम, आज शपथ ग्रहण

पटना, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

नीतीश कुमार ने बिहार में अपने दो दशक से अधिक समय तक चले मुख्यमंत्रित्व काल पर विराम लगा दिया है। उन्होंने मंगलवार को राज्यपाल सैयद अता हसनैन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। नीतीश ने इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया। इतने दिनों तक हमने लगातार लोगों की सेवा की। हमने तय किया था कि अब मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे और इसलिए आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्यपाल से मिलकर उन्हें

इस्तीफा सौंप दिया। अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नीतीश कुमार हाल ही में बिहार से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। अब वह दिल्ली में रहेंगे और संसद के उच्च सदन में दिखाई देंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अब राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बिहार के इतिहास में यह पहली बार होगा जब राज्य का नेतृत्व बीजेपी का मुख्यमंत्री करेगा। सम्राट चौधरी राज्य में बीजेपी के एक प्रमुख ओबीसी चेहरा हैं और पहले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वह नई कैबिनेट के साथ कल (15 अप्रैल) लोकभवन में सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण करेंगे। ▶8पर

ट्रंप का टेलिफोन आया है!

मोदी से की 40 मिनट तक बातें, होर्मुज को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच लंबी फोन वार्ता हुई है। रिपोर्ट के अनुसार पीएम मोदी ने ट्रंप से 40 मिनट तक फोन पर बात की है। ईरान सीजफायर के बाद ये पहली बातचीत है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच ये वार्ता तब हुई है जब ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से ब्लॉक करने का ऐलान किया है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से कहा कि वे यह बताना चाहते हैं कि अमेरिका भारत से प्यार करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस फोन वार्ता की जानकारी देते हुए कहा कि इस बातचीत के दौरान द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा दोनों के बीच पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा हुई। पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मेरे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ़ोन आया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हम सभी क्षेत्रों में अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और हॉर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया।

गौरतलब है कि ईरान सीजफायर के बाद पाकिस्तान की अगुआई में हुई शांति वार्ता फेल हो चुकी है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों ने 21 घंटे तक ईरान युद्ध, उसके प्रभावों और उसके बाद शांति बहाली की कोशिशों पर चर्चा की, लेकिन इस वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। ▶8पर

ईरान का हुक्का-पानी बंद

अमेरिका ने होर्मुज ब्लॉकेड के लिए उतारे 10 हजार कमांडो

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका ने ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकेबंदी लागू करने के लिए 10,000 से अधिक अमेरिकी नेवी के जवान, मरीन और एयरमैन को उतार दिया है। इसके अलावा इस नाकेबंदी को अंजाम देने के लिए एक दर्जन युद्धपोत समंदर में और एक दर्जन एयरक्राफ्ट आसमान में तैनात हैं। अमेरिका का कहना है कि पहले 24 घंटों के दौरान कोई भी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी को पार नहीं कर पाया। इसके अलावा 6 मालवाहक जहाजों ने अमेरिकी सेना के निर्देश का पालन करते हुए वापस मुड़कर ओमान की खाड़ी पर स्थित एक ईरानी बंदरगाह में दोबारा प्रवेश किया। सेंटकॉम के आधिकारिक ट्वीट और इन्फोग्राफिक में स्पष्ट कहा गया है कि यह नाकाबंदी सभी देशों के जहाजों पर समान रूप से लागू है। इस नाकाबंदी का उद्देश्य ईरानी बंदरगाहों में आने-जाने वाले जहाजों को रोकना है, ▶8पर

अंडमान सागर में डूबी नाव

250 रोहिंग्या लापता

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अंडमान सागर में मलेशिया जा रही एक नाव डूब गई है। इसमें अवैध रूप से सफर कर रहे कई लोग सवार थे। इनमें ज्यादातर रोहिंग्या मजदूर और बांग्लादेशी नागरिक थे। इस घटना में कम से कम नौ लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 250 से अधिक अन्य लोगों के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इस नाव में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों सहित लगभग 250-280 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि समुद्र में कई दिन बिताने के बाद यह नाव पलट गई। माना जा रहा है कि इस घटना का पता तब चला जब आसपास पेट्रोलिंग कर रहे जहाजों ने समुद्र से नौ लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। एक प्रेस रिलीज में बांग्लादेश कोस्ट गार्ड के मीडिया अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर सब्बीर आलम सुजान ने बताया कि बांग्लादेश का झंडा लगा जहाज मीट्रिक टन मेघना प्राइड चटगांव से इंडोनेशिया जा रहा था। बताया जा रहा है कि ये घटना 9 अप्रैल की है।

रेस्क्यू के बाद आधी रात के करीब हादसे में बचे लोगों को बांग्लादेश कोस्ट गार्ड के गश्ती जहाज़ मंसूर अली को सौंप दिया गया। बांग्लादेश के अखबार दे डेली स्टार के अनुसार इस हादसे में बचे हुए लोगों ने मानव तस्करी और उस जानलेवा सफर के रोंगटे खड़े कर देने वाले किस्से सुनाए। 4 अप्रैल को म्यांमार में शामिला से निकलने के बाद यह जहाज 8 अप्रैल को अंडमान द्वीप समूह के पास पहुंचा। बाद में उन्हें म्यांमार के जलक्षेत्र के पास सेंट मार्टिन द्वीप के करीब मौजूद एक बड़ी मछली पकड़ने वाली नाव में स्थानांतरित कर दिया गया। समुद्र में तेज लहरों और खराब मौसम के कारण तस्करों ने कथित तौर पर यात्रियों को मछली और जाल रखने के लिए बने चार तंग स्टोरेज कंपार्टमेंट में ज़बरदस्ती ठूंस दिया।

रफ़ीकुल इस्लाम नाम का एक रोहिंग्या इस घटना में बच गया। उसने बताया कि 2 अप्रैल को कुतुपालोंग बाज़ार में उसे नौकरी का झांसा देकर फंसाया गया था। उसे टेकनाफ़ के कछोपिया यूनियन के राजारछारा इलाके में एक घर में ले जाया गया, जहां उसे 20 से 25 अन्य लोगों के साथ अमानवीय हालात में कैद करके रखा गया था। ▶8पर

543 नहीं अब 850 सीटें

लोकसभा में कल पेश होगा विधेयक

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से निचले सदन की सदस्य संख्या को वर्तमान 543 से बढ़ाकर 850 करने वाला एक विधेयक गुरुवार को संसद में पेश किया जाना तय है। निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण (परिसीमन) के लिए, इस विधेयक में 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाने का प्रस्ताव रखा गया है।

यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन करना चाहता है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि लोकसभा में राज्यों के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गए अधिकतम 815 सदस्य होंगे और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकतम 35 सदस्य होंगे, जिन्हें संसद द्वारा कानून के माध्यम से निर्धारित तरीके से चुना जाएगा। विधेयक के अनुसार, जनसंख्या शब्द का अर्थ उस जनगणना के माध्यम से सुनिश्चित की गई जनसंख्या है जिसके प्रासंगिक आंकड़े प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में, 2011 की जनगणना के आंकड़े ही आधिकारिक रूप से उपलब्ध हैं।

सरकार महिला आरक्षण अधिनियम 2023 के कार्यान्वयन को तेज करने के लिए गुरुवार को लोकसभा में एक संविधान संशोधन विधेयक, परिसीमन कानून पर एक विधेयक और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर एवं पुडुचेरी (विधायिका वाले तीन केंद्र शासित प्रदेश) के लिए एक सक्षम विधेयक लाने की योजना बना रही है। इस कदम का उद्देश्य आरक्षण की प्रक्रिया में होने वाली देरी को समाप्त करना है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में कहा गया है कि, अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन अभ्यास में काफी समय लगेगा, जिससे हमारी लोकतांत्रिक राजनीति में महिलाओं की प्रभावी और समर्पित भागीदारी में देरी होगी।

इसलिए, प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य नवीनतम प्रकाशित जनगणना के जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन के माध्यम से लोकसभा, राज्यों की विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली व अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाओं सहित महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को संचालित करना है।

रेवंत ने सुझाया 50-50 फॉर्मूला

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाकर 850 करने के केंद्र के प्रस्ताव के बीच एक हाइब्रिड मॉडल का सुझाव दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष यह विचार रखते हुए तर्क दिया कि सीटों का आवंटन केवल जनसंख्या के आधार पर करने से राजनीतिक शक्ति का संतुलन पूरी तरह से उत्तरी और मध्य राज्यों की ओर झुक जाएगा, जिससे दक्षिण भारतीय राज्य संरचनात्मक रूप से पिछड़ जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों ने जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों को उनके सापेक्ष प्रतिनिधित्व को कम करके दंडित नहीं किया जाना चाहिए। इसके बजाय, उन्होंने संघीय व्यवस्था के भीतर उनकी जनसांख्यिकीय प्रगति को एक ऐसी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जो विशेष पहचान और सम्मान की हकदार है। लोकसभा सीटों के विस्तार के साथ-साथ, मुख्यमंत्री ने विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने का भी आह्वान किया। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण सुधार को भविष्य के किसी परिसीमन अभ्यास के पूरा होने तक लंबित न रखा जाए, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

ढाका में बांग्ला नव वर्ष के मद्देनजर बीजीबी की 20 प्लाटून तैनात, बैशाखी शोभायात्रा में रही शांति

ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बांग्ला नव वर्ष के जश्न के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की बीस प्लाटून तैनात की गई हैं। बीजीबी की बड़े पैमाने पर तैनाती का निर्णय पहेला बैशाख के उत्सव पर शांति के लिए लिया गया। यह उत्सव देश की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। सुबह ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय ने बैशाखी शोभायात्रा 1433 का आयोजन किया। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पहेला बैशाख के अवसर पर बांग्ला नव वर्ष 1433 का स्वागत करते हुए देशवासियों और दुनिया भर में रहने वाले सभी बांग्ला भाषी समुदायों को बधाई दी है। रिपोर्ट के अनसार, बार्डर गार्ड बांग्लादेश के प्रवक्ता ने कहा कि जन सुरक्षा और नागरिकों की सुचारू भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बीजीबी कर्मियों को ढाका के रमना बटमूल, इंटरकान्टिनेंटल ढाका, काकराइल, मत्स्य भवन, इंजीनियर्स इंस्टीट्यूशन गेट, दोएल चत्तर, शाहबाग स्थित बांग्लादेश राष्ट्रीय संग्रहालय, शहीद जिया शिशु पार्क, रमना बटमूल स्थित छायानट, रमना मंच और धनमंडी स्थित रबींद्र सरोवर के आसपास तैनात किया गया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पहेला बैशाख के उपलक्ष्य में जारी संदेश में कहा कि पहेला बैशाख बांग्ला कैलेंडर का पहला दिन है। यह राष्ट्र के इतिहास, संस्कृति और उसकी पहचान का एक अनूठा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों से यह दिन हर साल एक नई शुरुआत का संदेश लेकर आता है और लोगों को अतीत के बोझ को पीछे छोड़कर नई आशाओं और आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि पहेला बैशाख का इस क्षेत्र की कृषि, प्रकृति और कृषि-आधारित आर्थिक गतिविधियों के साथ गहरा जुड़ाव है। रहमान ने कहा कि बैशाखी मेले, बैशाखी शोभायात्रा और हलखाता जैसे आयोजन बांग्लादेशी संस्कृति की विविधता और सुंदरता को दर्शाते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बांग्ला नव वर्ष अपने साथ नई उम्मीदें और संभावनाएं लेकर आता है। प्रकृति के नवजीवन और मानवीय आशावाद का मेल जीवंत और उल्लासपूर्ण उत्सव का माहौल तैयार करता है। उन्होंने राजनीतिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि डेढ़ दशक के फासीवादी शासन की समाप्ति के बाद 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनाव में जीत हासिल करके एक नई लोकतांत्रिक सरकार ने अपनी यात्रा शुरू की है। सत्ता संभालने के बाद से सरकार ने समाज के सभी वर्गों के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि बांग्ला नव वर्ष के पहले दिन से ही सरकार किसान कार्ड कार्यक्रम की शुरुआत कर रही है। इस अवसर पर तारिक रहमान ने सभी से संकीर्णता और स्वार्थ से ऊपर उठने तथा मानवता के कल्याण के प्रति स्वयं को समर्पित करने का आह्वान किया। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि बीजीबी जश्न के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। बल ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे बंगाली नव वर्ष को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से मनाएं। ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के तत्वावधान में बैशाखी शोभायात्रा 1433 का समापन शांतिपूर्वक हो गया। यह शोभायात्रा सुबह 9 बजे शुरू हुई। विश्वविद्यालय परिसर की विभिन्न सड़कों से होते हुए सुबह लगभग 10 बजे वापस ललित कला संकाय के प्रांगण में लौट आई।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप पूरे कारोबारी.....इधर चीन पर टैरिफ ठोक रहे.....उधर सस्ता तेल बेचने की तैयारी में

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चीन और ईरान को लेकर सख्त रुख दिखाया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर चीन, ईरान को सैन्य मदद देता है, तब चीन पर 50 प्रतिशत तक का भारी टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बयान उन्होंने एक इंटरव्यू में दिया। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चीन ईरान को मैनपैड्स यानी कंधे से दागे जाने वाले एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम देने की तैयारी में है। कहा जा रहा है कि चीन इन हथियारों को सीधे भेजने के बजाय तीसरे देशों के जरिए सप्लाई करने की कोशिश कर सकता है, ताकि उसकी पहचान छिपी रहे। हालांकि, ट्रंप ने इन रिपोर्ट्स पर पूरी तरह भरोसा नहीं जताया, लेकिन साफ कहा कि अगर यह सच साबित हुआ, तब चीन को इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चीन ऐसा कदम उठाएगा, क्योंकि उनके चीन के साथ अच्छे संबंध हैं। फिर भी उन्होंने सख्त चेतावनी देकर कहा कि अगर चीन ने ईरान की मदद की, तब अमेरिका आर्थिक दबाव बनाने से पीछे नहीं हटेगा। इस दौरान ट्रंप ने एक और दिलचस्प बात कही। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका चीन को सस्ते दामों पर तेल बेच सकता है। उनका कहना था कि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल भंडार है और वह इसका फायदा उठाकर व्यापारिक संबंध मजबूत कर सकता है। यह बयान दिखाता है कि ट्रंप एक ओर जहां सख्ती दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आर्थिक अवसर भी तलाश रहे हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका में स्थित चीनी दूतावास ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।

क्यूबा के राष्ट्रपति की ट्रंप को चेतावनी.....किसी प्रकार का सैन्य हमला या सत्ता परिवर्तन की कोशिश, उसका जबाव दिया जाएगा

हवाना। कैरेबियन देश क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने हाल ही में अमेरिका को कड़ी

चेतावनी देकर स्पष्ट कहा कि यदि उनके देश पर किसी भी प्रकार का सैन्य हमला या सत्ता परिवर्तन की कोशिश हुई, तब क्यूबा उसका मजबूती से जवाब देगा। यह बयान उन्होंने अमेरिकी मीडिया चैनल को दिए साक्षात्कार के दौरान दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि क्यूबा पर किसी भी तरह के आक्रमण, सर्जिकल आपरेशन या नेतृत्व को हटाने के प्रयास का कोई वैध आधार नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तब क्यूबा पीछे नहीं हटेगा और अपने देश की रक्षा पूरी ताकत से करेगा। डियाज-कैनेल ने अमेरिका पर शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाकर कहा कि अमेरिका को क्यूबा के राजनीतिक ढांचे में बदलाव की मांग करने का नैतिक अधिकार नहीं है।

कर्ज में फंसे पाकिस्तान से यूएई ने कहा- तत्काल लौटा दें हमारे 3 अरब डालर

इस्लामाबाद। कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों और विदेशी कर्ज के चौतरफा दबाव के बीच पाकिस्तान की

आर्थिक चुनौतियां एक बार फिर चरम पर पहुंच गई हैं। देश के विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने की जद्दोजहद के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पाकिस्तान को दिए गए 3 अरब डालर के कर्ज की पूरी अदायगी की मांग कर दी है। पिछले सात वर्षों में यह पहला मौका है जब यूएई ने कर्ज चुकाने की अवधि को आगे बढ़ाने या मोहलत देने से साफ इनकार कर दिया है। इस अप्रत्याशित मांग ने शहबाज शरीफ सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं और देश के बाहरी वित्तीय सुरक्षा कवच पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक की बैठकों के दौरान वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने स्वीकार किया कि यूएई के साथ कर्ज अदायगी की समय सीमा बढ़ाने पर सहमति नहीं बन पाई है। इस कमी को पूरा करने के लिए अब पाकिस्तान वाणिज्यिक विकल्पों और अन्य देशों से नए कर्ज लेने पर विचार कर रहा है। हालांकि, वित्त मंत्री ने दावा किया कि मार्च के अंत तक पाकिस्तान के पास 16.4 अरब डालर का मुद्रा भंडार था, जो तीन महीने के आयात के लिए पर्याप्त है। उन्होंने भरोसा जताया कि पाकिस्तान अपने कर्जदाताओं का पैसा चुकाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए वैकल्पिक संसाधनों का इंतजाम किया जा रहा है। अपनी आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए पाकिस्तान अब चार साल के अंतराल के बाद ग्लोबल बान्ड मार्केट में उतरने की तैयारी कर रहा है। सरकार जल्द ही यूरोबान्ड, इस्लामिक सुकुक और पांडा बान्ड जारी करने की योजना बना रही है। विशेष रूप से, चीनी मुद्रा युआन में कर्ज लेने के लिए पांडा बान्ड जारी किए जाएंगे, जिसे एशियन डेवलपमेंट बैंक का समर्थन प्राप्त होगा।

होर्मुज की नाकाबंदी का असर, ईरान का रुख पड़ा नरम अमेरिका भी पसीजा, परसों शुरू हो सकती है बातचीत

वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं। अब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच परसों (गुरुवार) बातचीत हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है। इस्लामाबाद में अमेरिका ने ईरान को 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने एक जवाबी प्रस्ताव दिया। इसमें उसने कहा कि 20 साल नहीं, बल्कि पांच साल का प्रस्ताव वह मानने को तैयार है।

अमेरिकी नाकाबंदी अगर जारी रही तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसलिए मध्यस्थ देशों ने फिर कोशिश शुरू कर दी है। मध्यस्थ देशों में से एक के राजनयिक ने कहा कि संघर्ष विराम के दौरान दोनों देशों के बीच बातचीत गुरुवार को फिर शुरू हो सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बातचीत का मकसद 21 अप्रैल को संघर्ष विराम खत्म होने से पहले सुलह कराना है। इस राजनयिक ने बताया कि तेहरान और वांशिंगटन बातचीत करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। मगर यह साफ नहीं है कि बातचीत में उसी स्तर का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान को फिर संभावित मेजबान के तौर पर विचाराधीन रखा गया है, जबकि जिनेवा के नाम पर भी चर्चा चल रही है।

उपराष्ट्रपति वेंस ने सोमवार को कहा कि इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत खत्म होने के बाद से गेंद ईरान के पाले में है। अगला कदम अब तेहरान को उठाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत से इसलिए हटा, क्योंकि ईरानी वार्ताकारों के

पास किसी समझौते को अंतिम रूप देने का अधिकार नहीं था। अब कोई भी प्रगति तेहरान के नेतृत्व की मंजूरी पर निर्भर करेगी।

वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ सामान्य रिश्ते रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है कि अगर ईरान के साथ एक सामान्य देश जैसा बर्ताव हो, अगर उसकी अर्थव्यवस्था सामान्य हो और अगर उसके लोग खुशहाल और समृद्ध हो सकें, तो उन्हें बहुत खुशी होगी। ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान को सामान्य देश बनने के लिे परमाणु हथियार बनाने का ख्वाब त्यागना होगा। उधर, ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी ने मंगलवार को वाशिंगटन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने कहा कि ईरान में संघर्ष विराम को जारी रखना बेहद जरूरी है। रूस ने भी इस मामले में दिलचस्पी दिखाई है। क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते के हिस्से के तौर पर ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम को स्वीकार करने का रूस का प्रस्ताव अभी भी खुला है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, यह प्रस्ताव राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिका और क्षेत्रीय देशों, दोनों के साथ बातचीत में रखा था। यह प्रस्ताव अभी भी कायम है, लेकिन इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

खबर यह भी है कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और लेबनान में अमेरिकी राजदूत मंगलवार को वाशिंगटन में इजराइली और लेबनानी राजदूतों के साथ बातचीत के लिए मिलने वाले हैं। विदेश विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह 1993 के बाद से इजराइल और लेबनान के बीच इस तरह की पहली बैठक होगी। हाल के हफ्तों में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका - इजराइल के हमलों के बाद हिजबुल्लाह ने ईरान का साथ देते हुए इजराइल पर मिसाइल हमले किए हैं।

दावा : आईआरजीसी की चेतावनी के बाद अमेरिकी नौसेना के दो विध्वंसक जहाजों को मार्ग बदलना पड़ा

तेहरान

तेहरान में सरकारी मीडिया द्वारा जारी किए एक वीडियो और उसके बाद आए बयानों को लेकर तनावपूर्ण समुद्री स्थिति का दावा सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना ईरान की सरकारी मीडिया एवं इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़ी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों के साथ कथित आमना-सामना दिखाया गया है।

आईआरजीसी द्वारा सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में दावा किया गया कि आईआरजीसी नौसेना ने अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस फ्रैंक ई.पीटरसन जूनियर को चेतावनी दी कि वह अपना मार्ग बदलकर वापस लौट जाए। वीडियो में कथित तौर पर एक ईरानी नौसैनिक अधिकारी जहाज की पहचान संख्या लेकर रेडियो संदेश भेजकर कहता है कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ, तब कार्रवाई की जाएगी। इसके जवाब में अमेरिकी पक्ष की ओर से कहा जाता है कि जहाज अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ट्रांजिट पैसेज में वैध रूप से गुजर रहा है और उसका किसी भी तरह का टकराव का इरादा नहीं है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईआरजीसी ने चेतावनी को और सख्त कर आसपास के सभी जहाजों को 10 मील की दूरी बनाए रखने को कहा और बिना चेतावनी के गोलीबारी करने की बात भी कही। इसके साथ ही ईरानी मीडिया ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना के दो विध्वंसक जहाजों यूएसएस माइकल मर्फी और यूएसएस फ्रैंक ई.पीटरसन जूनियर को ईरानी चेतावनी के बाद मार्ग बदलना पड़ा। अमेरिकी नौसेना की ओर से पहले यह घोषणा की गई थी कि उसके दो गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरे हैं। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा खाड़ी क्षेत्र में माइन-क्लीयरेंस (बारूदी सुरंग हटाने) अभियान चलाने की भी बात कही गई थी। ईरानी सैन्य ढांचे से जुड़े खातम अल-अनबिया मुख्यालय ने अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह घटनाओं का गलत चित्रण है। दूसरी ओर, ईरानी सरकारी टीवी प्रेस टीवी ने इसे अमेरिका की तरफ से किया गया प्रचार प्रयास बताया और दावा किया कि अमेरिकी जहाजों को ईरानी नौसेना की चेतावनी के कारण पीछे हटना पड़ा।

हीरो बनने चले पाक को फिर लगा तगड़ा झटका.....कराची शेयर बाजार क्रैश

कराची। पाकिस्तान में संकट कम होता नहीं दिख रहा है। कर्ज का बोझ, इकोनामी ध्वस्त है, लेकिन फिर भी अकड़ कम नहीं हो रही है। हाल ही में पाकिस्तान मिडिल ईस्ट युद्ध को खत्म कराने के लिए मध्यस्ता की भूमिका में नजर आया। तमाम बड़े दावे कर अमेरिका और ईरान को एक मंच पर लाने में कामयाब भी हुआ और यूएस-ईरान में दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान हो गया। इस मध्यस्थता का असर पाकिस्तान शेयर बाजार पर दिखाई दिया और बीते बुधवार को एक ही दिन में पाकिस्तान शेयर बाजार 12000 अंक चढ़ गया, जो रिकार्ड रैली थी। लेकिन इस्लामाबाद में जब अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता हुई, तब 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा रही और दोनों के बीच टेंशन फिर चरम पर पहुंच गया। इसका भी असर पाकिस्तान में दिखा और सोमवार को केएसई-100 एक झटके में 4500 अंक गिर गया। अमेरिका-ईरान में बढ़ी तनातनी के बीच एशियाई बाजारों में कोहराम मचा नजर आया, वहीं सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को पाकिस्तान स्टाक मार्केट भी क्रैश हुआ। खबर लिखे जाने तक केएसई-100 इंडेक्स करीब 3 फीसदी या 4500 अंक से ज्यादा टूटकर 1,61,638 के लेवल पर कारोबार कर रहा था और पाकिस्तानी निवेशकों को तगड़ा नुकसान हुआ है।

ईरान बहुत बुरी हालत में और हताश है कई नाव तेल भरने अमेरिका आ रही : ट्रंप

मैं नाटो से बहुत निराश, हम खरबों डालर खर्च करते हैं, फिर भी वे हमारे साथ नहीं

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान बहुत बुरी हालत में है और हताश है। ईरानी पोर्ट से आने-जाने वाले जहाजों को ब्लाक करने की योजना कुछ ही घंटों में लागू कर दी जाएगी। मियामी से लौटने के बाद टरमैक में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि इलाके में सीजफायर बना हुआ है, लेकिन सोमवार सुबह ब्लाकेड से पहले वाशिंगटन के रुख में कोई नरमी नहीं आने का संकेत दिया। ट्रंप ने कहा कि कई नाव तेल भरने के लिए हमारे देश की ओर आ रही हैं। उन्होंने इशारा किया कि दूसरे देश ईरान की तेल बिक्री को रोकने की कोशिशों में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने उन देशों का नाम नहीं बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के साथ संभावित बातचीत को लेकर ट्रंप का रुख सख्त नजर आया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ईरान बहुत खराब स्थिति में है, वे हताश हैं। ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। इन बयानों से

साफ है कि अमेरिका, ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच आर्थिक दबाव और समुद्री नीतियों के जरिए उसके ऊर्जा निर्यात को सीमित करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने इस दौरान नाटो की आलोचना की और कहा कि गठबंधन ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं नाटो से बहुत निराश हूं। हम इस पर खरबों डालर खर्च करते हैं, लेकिन वे हमारे साथ नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित नाकाबंदी को ईरान पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, खासकर उसके तेल निर्यात को निशाना बनाकर जो तेहरान की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार नहीं होगा। हमारे पास सबसे बढ़िया मिलिट्री इक्विपमेंट हैं। हमारे पास सबसे बढ़िया लोग हैं। हमारे पास दुनिया की अब तक की सबसे मजबूत सेना है और हर कोई इसे देखता है, चाहे वह वेनेजुएला हो या हमने ईरान के साथ जो किया है। उन्होंने कहा कि मैं एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता हूं। मैं एक घंटे में उसे खत्म कर सकता हूं। मैं उनकी पूरी एनर्जी, सब कुछ उनके हर प्लांट, उनके बिजली बनाने वाले प्लांट ले सकता हूं, जो बहुत बड़ी बात है। मुझे ऐसा करने से नफरत है, क्योंकि अगर मैंने ऐसा किया तो इसे ईरान को बनाने में 10 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि वे इसे कभी दोबारा नहीं बना पाएंगे और दूसरी बात, आप पुलों को हटा देते हैं। मैंने उन्हें दिखाने के लिए एक पुल हटाया, क्योंकि उन्होंने एक ऐसा बयान दिया था जो सच नहीं था। मैंने कहा कि मैं एक पुल हटाने जा रहा हूं और हटा दिया। ट्रंप ने ईरान के हमले को लेकर कहा कि एक दिन उन्होंने हमारे एक खास एसेट यानी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन पर हमला किया था। उन्होंने 101 मिसाइलें दागीं। ये चीजें दो हजार मील प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से जा रही थीं और थोड़े ही समय में हमने सभी को मार गिराया और उनके टुकड़े समुद्र की तलहटी में पड़े हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे ईरान के बातचीत के लिए लौटने का कितने समय तक इंतजार करेंगे, तो उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि वे वापस आते हैं या नहीं।

डेमोक्रेट सांसद एरिक स्वालवेल पर यौन उत्पीड़न का आरोप, देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन

डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि एरिक स्वालवेल ने सोमवार को कहा कि वे कांग्रेस से इस्तीफा देंगे। उन पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। वह कैलिफोर्निया के 14वें निर्वाचन क्षेत्र से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा, मुझे और अन्य सदस्यों को तत्काल निष्कासित करने की प्रक्रिया चल रही है। आरोप लगने के कुछ ही दिनों में निष्कासित करना गलत है।

बावजूद इसके मैंने नैतिकता के आधार पर कांग्रेस से इस्तीफा देने का फैसला किया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्तीफा देने के फैसले की घोषणा के साथ स्वालवेल का राजनीतिक जीवन पूरी तरह से ढह गया। लगभग चार महिलाओं ने उन पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। इन आरोपों में बलात्कार, अश्लील संदेश और नग्न तस्वीरें भेजना शामिल है। इस कांग्रेसी नेता ने रविवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए अपना चुनाव अभियान भी समाप्त कर दिया। अपने इस्तीफे की घोषणा में स्वालवेल ने अतीत में निर्णय लेने में हुई गलतियों के लिए माफी मांगी, साथ ही आरोपों का सामना करने का संकल्प भी लिया। एक पीड़ित महिला के बारे में पिछले शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को क्रानिकल में छपी रिपोर्ट से आहत

स्वालवेल ने कहा, फिर भी मैंने जो गलतियां की हैं, उनके लिए मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी और उन्हें स्वीकार करना होगा। महिला ने स्वालवेल पर आरोप लगाया कि 2019 और 2024 में वह बहुत ज्यादा नशे की हालत में थी। वह सहमति देने की स्थिति में भी नहीं थी। तब स्वालवेल ने उसके साथ यौन संबंध बनाए। इसके बाद तीन अन्य महिलाओं ने भी स्वालवेल के कथित यौन दुर्व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया। द्विदलीय हाउस एथिक्स कमेटी ने स्वालवेल के इस्तीफा देने की घोषणा से पहले कहा था कि वह स्वालवेल के खिलाफ जाँच कर रही है। स्वालवेल के इस्तीफे के साथ ही यह जांच बंद हो जाएगी।

स्वालवेल का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब आरोपों के सामने आने के बाद कांग्रेस में उनके कुछ सबसे करीबी सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। स्वालवेल के करीबी एरिजोना के डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो ने कहा कि उन्हें निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। गैलेगो ने कहा, मैंने जिस व्यक्ति पर भरोसा किया। जिसे मित्र माना। वह खराब आदमी निकला। स्वालवेल ने अपने इस्तीफा देने की कोई तारीख नहीं बताई है। यह उल्लेखनीय है कि हाउस ने अपने इतिहास में अब तक सिर्फ छह सदस्यों को बाहर निकाला है। फ्लोरिडा की रिपब्लिकन सांसद अन्ना पालिना लूना ने कहा कि स्वालवेल का इस्तीफा देने का फैसला सही है। लेकिन आपराधिक जांच की जरूरत बरकरार है। मैनहैटन डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के कार्यालय ने रविवार को कहा था कि वह स्वालवेल के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रहा है।

एरिक स्वालवेल प्रमुख राजनीतिज्ञ हैं। वह 2013 से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य हैं (पहले 15वें और अब 14वें जिले से)। उन्होंने हाउस इंटेलिजेंस, ज्यूडिशियरी और होमलैंड सिक्योरिटी समितियों में काम किया है। वह डोनाल्ड ट्रंप के पहले और दूसरे महाभियोग की जांच में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। वह 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में भी मैदान में उतरे थे। आयोवा में 16 नवंबर, 1980 को जन्मे एरिक पूर्व अभियोजक हैं।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर कई केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री मल्लिकार्जुन खरगे, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, सांसदों, पूर्व सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रेरणा स्थल एवं संविधान सदन में श्रद्धासुमन

इसके उपरांत लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री मल्लिकार्जुन खरगे, सांसदों एवं पूर्व सांसदों ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने भी संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

'नो योर लीडर' कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित

इसके पश्चात, लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित नो योर लीडर कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपनी प्रतिभा, समर्पण और दृढ़ निष्ठा के बल पर अपने जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन, उनके आदर्श, उनके विचार तथा राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हम सभी के लिए चिरस्थायी प्रेरणा है। डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला ने कहा कि संविधान में समानता का अधिकार तथा बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार जैसे प्रगतिशील प्रावधानों ने एक सशक्त भारत की नींव रखी, जो न केवल भारत के लोकतंत्र को बल्कि विश्व के अन्य लोकतंत्रों को भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। भारत के युवाओं को बाबासाहेब के विचारों का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए श्री बिरला ने उन्हें सदैव 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा, कौशल, नवाचार और समर्पण भारत को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष का संदेश

इस अवसर पर श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा कि, ''बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद भी उन्होंने तमाम ऊँचाइयों को छुआ तथा अपने अदम्य साहस, कठोर परिश्रम और शिक्षा के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि करोड़ों वंचितों और शोषितों के लिए आशा की नई किरण बन गए। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के मूल्यों को जीवन का ध्येय बनाया और इन्हीं आदर्शों को भारत के संविधान में समाहित कर राष्ट्र को एक सशक्त दिशा प्रदान की। बाबासाहेब हमारे राष्ट्र के वह विशिष्ट रत्न हैं, जिनके जीवन व कार्यों ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए। संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसा दूरदर्शी दस्तावेज देश को दिया, जो आज भी लोकतंत्र की मजबूत नींव है और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, जागरूकता और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, बाबासाहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय, असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। डॉ. अम्बेडकर का प्रेरणादायी जीवन और उनके आदर्श सदैव हमें एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे।''

आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 17वें महाप्रयाण दिवस पर अनाजपुर में भावभीना आयोजन

अनाजपुर (तेलंगाना), 13 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के अनाजपुर ग्राम स्थित जिला परिषद् हाई स्कूल में प्रेक्षा प्रणेता, युगप्रधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 17वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी (ठाणा-2) के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ किशोर मंडल तथा हैदराबाद-सिकंदराबाद क्षेत्र के अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर था।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा0''आचार्य महाप्रज्ञ करुणा के सागर थे। उनके नयनों में करुणा का सतत प्रवाह था। जो भी उनके सान्निध्य में आता, वह उनकी करुणा से आप्लावित हुए बिना नहीं रह पाता था।'' उन्होंने आगे कहा कि आचार्य महाप्रज्ञजी का जीवन ''बूँद से सागर'' बनने की अद्भुत यात्रा है0एक छोटे से गांव से उठकर वे ज्ञान, साधना और प्रज्ञा के ऐसे विराट स्वरूप बने, जो स्वयं एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय थे। उनके जीवन में विद्वता और विनम्रता का अद्वितीय संगम था। संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान होते हुए भी उनकी विनयशीलता अनुपम थी। गुरु के प्रति उनका समर्पण और विनय ही उन्हें महानता के शिखर तक ले गया। आज वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी में हम आचार्य महाप्रज्ञजी की ही दिव्य झलक का अनुभव करते हैं।

मुनि श्री काव्य कुमारजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा0 ''आचार्य महाप्रज्ञ केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रज्ञा का महासागर हैं। उनका जीवन बिंदु से सिंधु बनने की जीवंत प्रेरक गाथा है।'' कार्यक्रम के अंतर्गत अ.भा.ते.यु.प की ओर से श्री राहुल जी श्यामसुखा एवं ते.यु.प अध्यक्ष राहुल जी गोलछा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। युवाओं द्वारा भक्ति गीतों का सुमधुर संगान किया गया, जिसने वातावरण को और अधिक भावविभोर बना दिया। आभार ज्ञापन श्री खुशहालजी भंसाली द्वारा किया गया।

मुनि श्री दीप कुमारजी का चातुर्मास इस वर्ष सिकंदराबाद में घोषित किया गया है। दिनांक 15 अप्रैल को प्रातः 7:51 बजे मुनिवृंदों का हैदराबाद नगर सीमा में मंगल प्रवेश होगा, जिसके उपरांत नगर भ्रमण का कार्यक्रम निरंतर जारी रहेगा।

पेद्दापल्ली में डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि

पेद्दापल्ली, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गद्दाम वामसी कृष्णा ने पेद्दापल्ली बस स्टैंड परिसर में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की मूर्ति पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने पेद्दापल्ली कमान चौरास्ता से बस स्टैंड तक आयोजित रैली में भाग लिया।

रैली के दौरान दलित संगठनों के नेताओं और कांग्रेस नेताओं ने सांसद वामसी का जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर सांसद वामसी ने डिलिमिटेशन प्रक्रिया सही तरीके से लागू करने की मांग करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी को बराबर न्याय मिले। उन्होंने उत्तरी राज्यों में सीटें बढ़ाने की राजनीतिक कोशिशों की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा इस प्रक्रिया का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है, जिसका वे संवैधानिक तरीके से संसद में मुकाबला करेंगे।

एमपी ने यह भी कहा कि तेलंगाना डिलिमिटेशन के मुद्दे पर मजबूती से आवाज़ उठाएगा, ताकि राज्य के साथ न्याय हो। उन्होंने अंबेडकर के आदर्शों के अनुसार शिक्षा और गरीब छात्रों के लिए मुफ़्त/सुलभ शिक्षा की बात करते हुए संविधान द्वारा दिए गए बराबर अधिकारों का उल्लेख किया।

चटनल्ली में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बीदर, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीदर तालुका के चटनल्ली गांव में हॉर्टिकल्चर कॉलेज के हॉर्टिकल्चर कॉलेज हॉर्टिकल्चर प्रोग्राम के तहत दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कुल 226 लोगों की जांच की गई। 130 महिलाएं गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. शारदा गुदगे से परामर्श लेकर लाभान्वित हुईं, जबकि 96 पुरुषों की जांच डॉ. सचिन गुदगे ने ईसीजी, बीपी और अन्य स्वास्थ्य परीक्षणों के माध्यम से की।

कैंप का उद्घाटन रोटरी क्लब न्यू सेंचुरी के प्रेसिडेंट डॉ. नागेश पाटिल ने किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब न्यू सेंचुरी और गुदगे हॉस्पिटल का सहयोग रहा।

केबीआर पार्क पर किया अन्नदान, सेवा भाव का सराहनीय उदाहरण

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की गई।

इस अवसर पर उपस्थित समाजसेवियों ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में सक्रिय है और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है। ग्रुप का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचाना और सेवा की भावना को जन-जन तक फैलाना है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, तेज प्रकाश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, उमाकांत गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर अन्नदान सेवा को सफल बनाया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और यह संदेश देते हैं कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है।

मदनूर में पुलिस व सरपंच अराइव-अलाइव अभियान शुरू

मदनूर, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'अराइव-अलाइव' अभियान की शुरुआत मदनूर मंडल के सुल्तानपेट गांव में की गई। स्थानीय एस.आई. मोहन रेड्डी ने यह अभियान स्थानीय सरपंच राजेश्वर गौड की अध्यक्षता में मंगलवार को शुरू किया। इस मौके पर 'प्रजा पालना-प्रगति योजना' के तहत एक पोस्टर जारी किया गया। मीडिया को संबोधित करते हुए एस.आई. मोहन रेड्डी ने बताया कि यह अभियान 14 से 18 अप्रैल तक पूरे राज्य में पुलिस और परिवहन विभागों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करना और मौतों की संख्या कम करने के लिए उपाय लागू करना है।

मदनूर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई

मदनूर, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय मंडल केंद्र में मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर फूल-माला अर्पण कर आंबेडकर 135 जयंती भक्ति भाव से मनाई गई। साथ ही 14 अप्रैल 2026 को संयुक्त मंडल में भी आंबेडकर जयंती का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को समर्पित दिन के रूप में समानता, सामाजिक न्याय और शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में सरपंच ऊषा संतोष, कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दारासवार सायलु, राम पाटिल, पूर्व सोसाइटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटिल, कोंडावर गंगाधर, पूर्व मंडल विकास अध्यक्ष प्रज्ञा कुमार, पूर्व एमपीटीसी रामलू, संतोष, गोपी, नरेश देवीदास पाटिल सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं: महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी महेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने बताया कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना न केवल मानवता की सेवा है, बल्कि यह सच्ची भक्ति का भी सर्वोच्च रूप है। राधे-राधे ग्रुप निरंतर इसी भावना के साथ समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सेवा कर रहा है, जो अत्यंत प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण भाव से सेवा कार्य में भाग लिया और जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया। इस दौरान वातावरण भक्ति और सेवा भावना से ओत-प्रोत नजर आया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरीया, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गी, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल एवं रेनू गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लक्षितपेट नगरपालिका का सर्वांगीण विकास होगा : प्रेमसागर राव

मंचेरियाल, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक प्रेमसागर राव ने कहा कि लक्षितपेट नगरपालिका का हर तरह से सर्वांगीण विकास किया जाएगा। कस्बे में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि विकास में बाधा आने पर वे चुप नहीं बैठेंगे और न्याय व कानून के अनुसार कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि वर्तमान में शुरू किए गए कार्यों को आने वाली 2-3 पीढ़ियां भी देख सकें। साथ ही विकास कार्यों के तहत कुछ स्थानों पर सड़क चौड़ीकरण और अन्य सुधार किए जाएंगे।

विधायक ने जानकारी दी कि ऊम्मार चौक से पुराने बस स्टैंड तथा गोदावरी रोड की चौड़ाई तक आवश्यकतानुसार सुधार किया जाएगा।

इटिक्याला में मानची महालक्ष्मी वाडा और अंगाडी बाजार रोड को 30 फीट चौड़ा किया जाएगा।

स्पंदू गावडू रोड की दीवारें इस महीने की 10 तारीख तक अधिकारियों द्वारा निर्धारित चिह्नों तक हटाई जाएंगी।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष डोंथा अंजली दर्शैया, उपाध्यक्ष राजेश्वरी, पार्षद चिन्नैया, थीता सुवर्ग रमेश, बोडा राजू, सर्विस सत्यनारायण, सुजाता रमेश तथा अन्य जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सरकार का बढ़ावा : गड्डम विवेकानंद

मंचेरियाल, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण, कारखाना एवं खनन विभाग के मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

मंगलवार को चेन्नूर मंडल मुख्यालय स्थित माइनॉरिटी फंक्शन हॉल में जिला माइनॉरिटी कल्याण विभाग एवं एसोसिएशन ऑफ लेडी एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में स्वयं सहायता समूह (एस एच जी) की महिलाओं के लिए आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंत्री ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर कुमार दीपक सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।मंत्री ने बताया कि चेन्नूर क्षेत्र में 400 सिलाई मशीनें महिलाओं को प्रदान की जा रही हैं, जिससे वे प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार हासिल कर सकें और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकें। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराकर महिलाओं को विभिन्न व्यवसायों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनमें मुफ्त बस यात्रा, रियायती दर पर गैस सिलेंडर, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, राशन कार्ड और आवास योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 3 हजार करोड़ रुपये के ऋण सहायता से महिलाओं के आर्थिक विकास को गति दी जा रही है।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सिलाई मशीनों के लिए आवेदन करने वाली सभी पात्र महिलाओं को मशीनें दी जा रही हैं और जो महिलाएं अभी तक वंचित हैं, वे आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने महिलाओं से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और समय पर ऋण चुकाने की अपील की, ताकि भविष्य में उन्हें और अधिक सहायता मिल सके। इससे पहले मंत्री ने चेन्नूर मंडल के सोमणपल्ली गांव में निर्माणाधीन यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तेजी से और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

इंसान की कीमत...

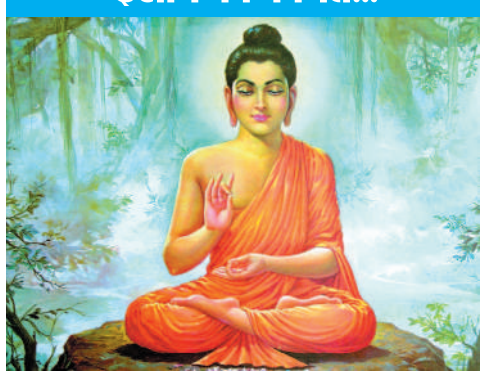

एक बार एक आदमी महात्मा बुद्ध के पास पहुंचा। उसने पूछा, ''प्रभु, मुझे यह जीवन क्यों मिला? इतनी बड़ी दुनिया में मेरी क्या कीमत है? बुद्ध उसकी बात सुनकर मुस्कुराए और उसे एक चमकीला पत्थर देते हुए बोले, ''जाओ, पहले इस पत्थर का मूल्य पता करके आओ। पर ध्यान रहे, इसे बेचना नहीं, सिर्फ मूल्य पता करना है।'' वह आदमी उस पत्थर को लेकर एक आम वाले के पास पहुंचा और उसे पत्थर दिखाते हुए बोला, ''इसकी कीमत क्या होगी? आम वाला पत्थर की चमक देखकर समझ गया कि अवश्य ही यह कोई कीमती पत्थर है लेकिन वह बनावटी आवाज में बोला, ''देखने में तो कुछ खास नहीं लगता, पर मैं इसके बदले 10 आम दे सकता हूं।'' वह आदमी आगे बढ़ गया। सामने एक सब्जी वाला था। उसने उससे पत्थर का दाम पूछा। सब्जी वाला बोला, ''मैं इस पत्थर के बदले एक बोरी आलू दे सकता हूं।'' आदमी आगे चल पड़ा। उसे लगा पत्थर कीमती है, किसी जौहरी से इसकी कीमत पता करनी चाहिए। वह एक जौहरी की दुकान पर पहुंचा और उसकी कीमत पूछी। जौहरी उसे देखते ही पहचान गया कि यह बेशकीमती रूबी पत्थर है, जो किस्मत वाले को मिलता है। वह बोला, ''पत्थर मुझे दे दो और मुझसे 1 लाख रु. ले लो।'' उस आदमी को अब तक पत्थर की कीमत का अंदाजा हो गया था। वह बुद्ध के पास लौटने के लिए मुड़ा। जौहरी उसे रोकते हुए बोला, ''अरे रुको तो भाई, मैं इसके 50 लाख दे सकता हूं।'' लेकिन वह आदमी फिर भी नहीं रुका। जौहरी किसी कीमत पर उस पत्थर को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था, वह उछल कर उसके आगे आ गया और हाथ जोड़ कर बोला, ''तुम यह पत्थर मुझे दे दो, मैं 1 करोड़ रुपए देने को तैयार हूं।'' वह आदमी जौहरी से पीछा छुड़ा कर जाने लगा। जौहरी ने पीछे से अवाज लगाई, ''ये बेशकीमती पत्थर है, अनमोल है। तुम जितने पैसे कहोगे, मैं दे दूंगा।'' यह सुनकर वह आदमी हैरान-परेशान हो गया। वह सीधा बुद्ध के पास पहुंचा और उन्हें पत्थर वापस करते हुए सारी बात कह सुनाई। बुद्ध मुस्कुरा कर बोले, ''आम वाले ने इसकी कीमत '10 आम लगाई', सब्जी वाले ने 'एक बोरी आलू' और जौहरी ने बताया कि 'अनमोल' है। इस पत्थर के गुण जिसने जितने समझे, उसने उसकी उतनी कीमत लगाई। ऐसे ही यह जीवन है। हर आदमी एक हीरे के समान है। दुनिया उसे जितना पहचान पाती है, उसे उतनी महत्ता देती है ...लेकिन आदमी और हीरे में एक फर्क यह है कि हीरे को कोई दूसरा तराशता है और आदमी को खुद अपने आपको तराशना पड़ता है। ...तुम भी अपने आपको तराश कर अपनी चमक बिखेरो।

कभी गरीबी नहीं आएगी...

धनी बनने की चाहत भला किसके मन में नहीं होती। पैसा व्यक्ति की पावर होता है। इसके अभाव में जीवन यापन करना असंभव है लेकिन कुछ लोगों की इच्छा होती है, साईं इतना दीजिए, जामे कुटुब समाए... धर्म पुराणों में कहा गया है जो लोग मेहनती होते हैं उन पर सदा लक्ष्मी मेहरबान बनी रहती हैं। घर में धन-संपत्ति के द्वार खुले रहें यह तभी संभव है जब कुछ खास किया जाए। जिस घर में आदित्य मंत्र का उच्चारण किया जाता हैं उस घर-परिवार में एक हजार वर्ष तक गरीबी नहीं आती। तन, मन और धन से समृद्धि बनी रहती है। यह मंत्र इस प्रकार है- जन्मान्तर सहस्त्रेषु, दारिद्रयं नोपजायते। सुबह उठकर नित्य कामों से निवृत होकर शुद्ध वस्त्र पहनकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं फिर इस मंत्र का जाप करें। अन्य उपाय करना चाहें तो मां अपने हाथों से चावल का एक दाना या चांदी का टुकड़ा अपनी संतान को भेंट स्वरूप दे। संतान इसे संभाल कर रखे धन संबंधित कोई भी समस्या जीवन में कभी सिर नहीं उठाएगी।

नार्सिसिज्म...आधुनिक महामारी

नार्सिसिज्म या आत्ममुग्धता इंसानों की एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसपर सदियों से बहस चल रही है। हालांकि अब समाज विज्ञानियों ने निष्कर्ष निकाला है कि यह प्रवृत्ति दरअसल आधुनिक 'महामारी' में तब्दील हो सकती है। अब सवाल है कि आज के दौर में यह स्थिति कैसे बनी और क्या इससे बचा जाए?

नॉरसिस्ट शब्द एक ग्रीक कथा पर आधारित है। इस शब्द की उत्पत्ति तकरीबन 2000 साल पुरानी है। उस समय ग्रीस के साहित्यकार ओविड ने अपनी रचना लीजेंड ऑफ नार्सिसस में एक खूबसूरत शिकारी नॉरसिस्ट की कहानी लिखी थी जो एक दिन पानी के सोते में अपना प्रतिबिंब देख लेता है और उसके प्यार में पड़ जाता है। यह शिकारी अपनी ही खूबसूरत छवि से इस कदर मुग्ध होता है कि उसके असर से बाहर नहीं निकल पाता। वह अपनी छवि को देखने में इस कदर मोहित होता है कि अपनी छवि को निहारते-निहारते वह उस झील में गिरकर मर जाता है। जहां उसकी मौत होती है वहां एक फूल खिलता है जिसे नार्सिसस कहा जाता है। इसी से नार्सिसिज्म शब्द की उत्पत्ति हुई है। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं।

दूसरों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील होते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा तारीफ और स्वीकार्यता इसी तरह के नार्सिसिज्म का लक्षण है। दरअसल, हम सब किसी न किसी तरह इस नॉरसिज्म के भयावह रोग से ग्रस्त हैं और अपना सारा जीवन एक ऐसे आभामंडल के निर्माण में गुजार देते हैं जिसकी रोशनी के तले हम हमेशा चमकदार नजर आते रहे। अपने इस आभामंडल की रचना में हम वे सारे प्रयास करते हैं जो हमारे वश में होते हैं। हमारी शिक्षा-दीक्षा, हमारी पद-प्रतिष्ठा, हमारे रिश्ते-नाते, रहन-सहन, खान-पान, उत्सव आदि तमाम चीजें सिर्फ और सिर्फ अपने आभामंडल की रोशनी को अति चमक प्रदान करने के जतन मात्र होते हैं और अगर इन तमाम प्रयत्नों के बाबजूद यदि ऐसे आभामण्डल की रचना में हम नाकाम होते हैं तो झूठ-फरेब, छल-कपट, लाग-लपेट या अपने बड़बोलेपन से एक भ्रम के आभामंडल को अधिक कीर्ति प्रदान करने के जतन करते हैं। यदि इतना करने पर भी हम हमारे वांछित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते तो हमें अपने आगोश में लेता है अवसाद...और जीवन उद्देश्यरहित और बोझिल जान पड़ता है। नार्सिसिज्म के कई स्तर हैं जहां यह स्वास्थ्यप्रद होने के साथ-साथ भयंकर बीमारी भी हो सकता है। स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म आम इंसानी जीवन में पाया जाता है। लोगों का खुद से प्यार करना, वास्तविक उपलब्धियों के दम पर उनमें आत्मविश्वास आना, किसी तरह के दुःख से उबरने की क्षमता और सामाजिक संबंधों से खुद को ताकतवर समझने की भावना स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म के अंतर्गत आते हैं। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं।

समता भाव जरूरी

जीवन में हर किसी को अपने आभामंडल के टूटने का दंश सहना पड़ता है और जितना बड़ा इस आभामंडल का रूप होगा, उतना ही गहरा इसके टूटने से पैदा होने वाला अवसाद होगा। जैनदर्शन की वीतरागता, गीता की स्थितप्रज्ञ की संकल्पना या ओशो की संबुद्धि यूं तो एक-दूसरे से काफी विरोधाभास लिए हुए हैं किंतु तीनों ही एक बात की सर्वसामान्य ढंग से पुष्टि करते हैं वह है अनुकूल या प्रतिकूल परिस्थितियों में समता भाव का होना। लेकिन यही साम्यभाव व्यक्ति अपने जीवनकाल में हासिल नहीं कर पाता। तनिक सी उत्तम परिस्थितियां उसे अहंकार के आगोश में इतना ऊपर उठा देती हैं कि वो अपने यथार्थ से कोसों दूर चला जाता है और तनिक सी विषम परिस्थितियां उसे इस कदर खेद-खिन्नता से भर देती हैं कि वो अपने प्राणांत करने से भी नहीं हिचकता।

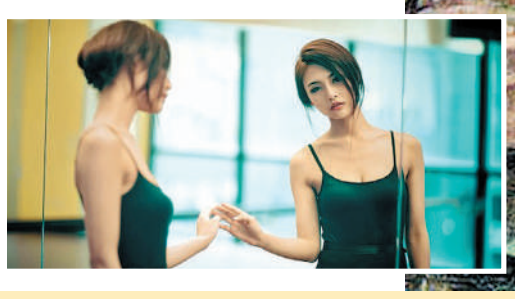

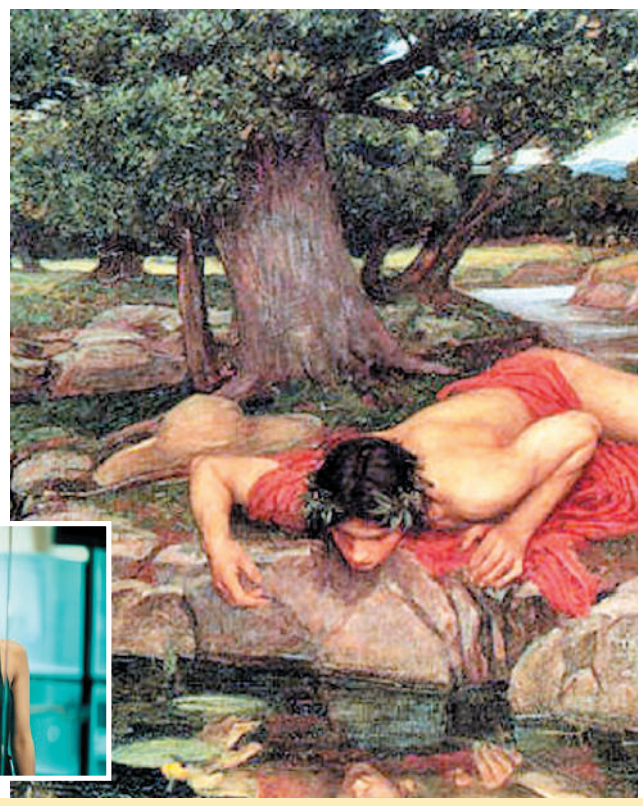

बाहरी आडंबर

निंदा की गर्म हवाओं से मनुष्य को क्रोध की लू लग जाती है और प्रशंसा की ठंडी हवाओं से उसे अभिमान का जुकाम हो जाता है। इन दोनों ही परिस्थितियों में स्वास्थ्य का ह्रास होता होता है। निश्चित तौर पर स्वयं से हमें प्रेम करना चाहिए किंतु उस प्रेम का ग्राफ इस कदर अंधता ग्रसित न हो जाए कि हमें हमारे आसपास किसी चीज की हस्ती नजर आना ही बंद हो जाए। आत्मविश्वास और अहंकार में एक बाल बराबर का ही फर्क होता है। अपनी आत्मिक हस्ती की स्वीकृति या अपने वास्तविक आत्मबल की पहचान से आत्मविश्वास पैदा होता है। इसके अलावा अन्य बाहरी किसी भी आडंबर की प्राप्ति सिर्फ अहंकार को जन्म देती है। चाहे वह रुपया-पैसा हों, चाहे रूप-लावण्य हो या फिर पद-प्रतिष्ठा। इन तमाम चीजों की उपलब्धि में हमें यह बात नहीं भूलना चाहिए कि इनसे निर्मित आभामंडल चाहे कितना भी चमकदार क्यों न हो पर वह निश्चित ही नष्ट होगा और उसमें अवश्यंभावी परिवर्तन होगा। किंतु यही परिवर्तन, जड़ और तुच्छ पदार्थ एक भ्रम का आभामंडल, मिथ्या अहंकार और अंधी आत्ममुग्धता को जन्म देते हैं।

मान-प्रतिष्ठा का पैमाना

मान-प्रतिष्ठा को इस कदर तवज्जों दे दी गई है कि उसके समक्ष तमाम संस्कार, मर्यादाएं, चारित्रिक उज्ज्वलता किसी गर्त में फेंक दिए गए हैं और आज मान-प्रतिष्ठा का पैमाना भी सिर्फ पैसे पर केन्द्रित हो गया है। इस चकाचौंध युक्त वातावरण में मानवीयता की बात ही दुर्लभ है तो फिर दैवीयता की बात कैसे की जा सकती है? जब से हमने प्रतिष्ठा को बाजारू बना दिया है बस तभी से इस अमूल्य वस्तु का मोल बड़ा तुच्छ हो गया है क्योंकि तुच्छ वस्तुओं के ही भाव बढ़ते हैं। महान चीजें तो प्रायः अमूल्य ही होती हैं। आज इंसान बड़ा आदमी कहलाना पसंद करता है बजाय कि भला आदमी कहलाने के।

चरित्र की रक्षा अहम

संपत्तिकृत अंधी आत्ममुग्धता के चलते इंसान यह बात भूल गया है कि हमें सिर्फ अपने चरित्र की रक्षा करनी चाहिए। उस चरित्र के प्रताप से पैदा प्रतिष्ठा हमारी रक्षा अपने आप कर लेती है। कितना कुछ कहा जा रहा है, कितने आयोजन-नियोजन किए जा रहे हैं, रिश्तों के हजारों लिबास हम ओढ़ते जा रहे हैं, बुद्धि और मन के अंर्तद्वद्व से निरंतर काफी कुछ निकलकर बाहर आ रहा है, लेकिन ये सारी चीजें मिल कर सिर्फ उस भ्रम के आभामंडल को आकार देने में ही व्यस्त हैं। लोग स्वयं अपने दुर्भावों और दुराचारों से अगर परेशान भी हैं तब भी वे अपने उस आभामंडल को चमकदार साबित करने के जतन में ही लगे हुए हैं। उनकी अंधी आत्ममुग्धता उन्हें उनका ही यथार्थ नहीं देखने देती। ऐसा लगता है इस चमक-दमक के युग में सिर्फ लोगों के जिस्म की बाहरी दीवारों पर डिस्टेंपर पोत दिया गया है। रूह की अंदरूनी दीवारों की परतें या तो उधड़ चुकी हैं या फिर उनपे दीमक लग गई है। हाथी के सिर्फ दिखाने वाले दांतों की ही सत्ता स्वीकृत है उसके चबाने वाले दांतों की हस्ती से ही इंकार कर दिया गया है और सभी उन दिखाने वाले दांतों को ही चमकदार बनाने के जतन में लगे हैं।

समाज में व्यक्तिवाद

नार्सिसिज्म के सिद्धांत को मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने लोकप्रियता दिलाई थी। 'ईगो' और बाहरी दुनिया से उसके संबंध की व्याख्या के जरिए फ्रायड ने नार्सिसिज्म के सिद्धांत को समझाया था। यह व्याख्या नार्सिसिज्म से संबंधित दूसरे सिद्धांतों के विकास की बुनियाद कही जा सकती है। समाज विज्ञानियों का मानना है कि औद्योगीकरण के बाद विकसित हुए समाज में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। बीते दशकों में समाज लगातार सामुदायिकता से व्यक्तिवाद की तरफ बढ़ा है और इसके कारण नार्सिसिज्म 'आधुनिक महामारी' बन रहा है। इन सामाजिक बदलावों ने लोगों में यह भावना भर दी है कि खुद को तवज्जो देना सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों में आत्मविश्वास भरने के लिए उनके शिक्षक और अभिभावक हमेशा यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे कितने खास और सबसे अलग हैं। बच्चों के अपने दम पर कड़ी मेहनत से उपलब्धियां हासिल करने और उसके बूते आत्मविश्वास हासिल करने के पहले ही अभिभावक उनमें जबर्दस्ती आत्मविश्वास भरने की कोशिश करने लगे हैं। समाज में व्यक्तिवाद के बढ़ने और उसके आधुनिक होने की प्रक्रिया में किसी व्यक्ति को अपने समाज या समुदाय से वैसा सहारा नहीं मिल पाता जैसा पहले मिला करता था। जबकि शोध बताते हैं कि सामाजिक संबंधों या अपने समुदाय या दोस्तों से जुड़ा रहना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। वहीं दूसरी तरफ समाज के आधुनिक होने की प्रक्रिया के दौरान सामाजिक प्रतिष्ठा, धन-दौलत और सेलिब्रिटी स्टेटस को सब बातों से ऊपर दर्जा दिया जाने लगा है।

मुमकिन है इलाज

आज पूरी दुनिया में तकरीबन 94 करोड़ लोग फेसबुक के यूजर हैं। हाल ही में हुए कुछ अध्ययन बताते हैं कि फेसबुक की लत का आत्मविश्वास में कमी और नार्सिसिज्म से गहरा संबंध है। इंटरनेट के विकास और खासकर सोशल नेटवर्किंग साइटों की लोकप्रियता हमारे सामाजिक व्यवहार पर बड़ा असर डाल रही है। इनकी वजह से हमारे संवाद के तौर-तरीके बदले हैं। फुरसत का समय हम इन पर बिताने लगे हैं। नार्सिसिज्म पर्सनेलिटी डिसऑर्डर का इलाज मुमकिन है। इसमें दवाओं के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक उपचार भी शामिल है। ध्यान की क्रियाएं भी मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए कारगर साबित होती हैं। इसके अलावा हमें यह भी समझने की जरूरत है कि आत्ममुग्धता के लिए हम जो चीजें चाहते हैं क्या वे वास्तव में हमारी खुशी के लिए जरूरी हैं। हॉवर्ड के मनोवैज्ञानिकों द्वारा 75 साल तक किए गए एक शोध के मुताबिक खुशी पैसे और प्रतिष्ठा से नहीं आती बल्कि इसकी बुनियाद में वे सामाजिक संबंध होते हैं जो आपका सहारा हैं। यही वह सूत्र है जो हमारी सभ्यता को नार्सिसिज्म की महामारी से बचा सकता है।

बच्चों में कार सिकनेस...

असल में कार सिकनेस एक तरह की मोशन सिकनेस ही है। यह तब पैदा होती है जब दिमाग को इनर इयर, आंखों और नर्व्स से मिलने वाली सूचनाओं में गड़बड़ होने लगती है। इसके चलते दिमाग तक यह सूचनाएं सही तरीके से नहीं पहुंच पातीं। यही कारण बनता है कार सिकनेस का। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि जब कार में पिछली सीट पर टिक कर या अधोलेटी अवस्था में बैठा एक बच्चा वीडियो

गेम खेल रहा होता है या किसी खिलौने से खेल रहा होता है तो उसका सिर कार की खिड़की से नीचे होता है और वह बाहर नहीं देख सकता। इस स्थिति में उसका इनर इयर तो गति को महसूस कर सकता है लेकिन उसकी आंखें तथा ज्वाइंट्स इस गति को नहीं महसूसते। ऐसे में दिमाग को परस्पर विरोधाभासी संदेश जाते हैं और वह असमंजस में पड़ जाता है जिससे कार सिकनेस पैदा होने लगती है। यह समस्या 2 से 12 साल के बच्चों को अधिक होती है। जबकि इससे नीचे की उम्र के बच्चों को यह समस्या कम होती है।

कार सिकनेस के लक्षण

- पेट का खराब होना
- ठंडा पसीना आना
- उल्टी-दस्त
- भूख का कम होना
- थकान होना
- कुछ केसेस में हल्का बुखार या बदन दर्द

ये उपाय अपनाएं

कोशिश करें कि सफर के दौरान बच्चा झपकी ले सके। इससे वह तकलीफ से काफी हद तक बच पाएगा। बच्चे को कार के बाहर के दृश्य देखने को प्रेरित करें। इसके लिए आप उसे बाहर की वस्तुओं को देखकर पेंटिंग करने या कोई कहानी बनाने का टास्क दे सकते हैं, इससे वह बाहर देखे और फिर घर जाकर टास्क पूरा करें। इससे उसका दिमाग व्यस्त भी रहेगा और असमंजस में भी नहीं घिर पाएगा सफर के बिलकुल पहले यानी चलते समय या सफर के दौरान बच्चे को खाना न खिलाएं। खासकर गरिष्ठ भोजन से बचें। यदि सफर के दौरान बच्चे को भूख लगती है तो उसे कम मात्रा में कोई हल्का नाश्ता जैसे बिस्किट और कोई सामान्य पेय दें। सोडा युक्त पेय से बचें। कोशिश करें कि कार के भीतर ताजी हवा आ सके और कार के भीतर किसी किस्म की दुर्गन्ध लंबे समय तक न रहे। अगर बच्चे को यह परेशानी बार-बार होती है तो डॉक्टर की सलाह से दवाएं अपने साथ रखें और कोशिश करें कि लंबे सफर के बीच आप छोटे-छोटे ब्रेक लेते रहें। बच्चे का ध्यान तकलीफ की तरफ से हटाए रखें। इससे भी बहुत लाभ मिल सकता है।

नींद की कमी पड़ सकती है सेहत पर भारी, अपनाएं ये 4 आसान उपाय

खानपान की लापरवाही, बिजी लाइफस्टाइल और गैजेट्स से प्यार जैसी आदतों का सीधा असर हमारी नींद पर पड़ता है। रात को देर तक जगे रहने से सुबह थकान और कमजोरी बनी रहती है। हेल्थ पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके, जिनसे आप रात में भरपूर नींद पा सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

सोने का एक शेड्यूल बनाएं, जब तक एक पैटर्न के हिसाब से रुटीन में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक समय से सो नहीं पाएंगे। सोने और जागने का टाइम बनाएं और उसके हिसाब से अपना शेड्यूल बनाएं। शुरूआत में मुश्किल हो सकती है, लेकिन कुछ समय के बाद वो आपकी आदत में शुमार हो जाएगा।

कमरा व्यवस्थित करें

कई बार कमरे की अरेंजमेंट भी नींद न आने का कारण होता है। अगर आप डिम लाइट में सोना पसंद करते हैं तो एक कम वॉट का बल्ब लगाएं। अंधेरा पसंद करते हैं तो मोटे पर्दे लगाएं जिससे बाहर से रोशनी न आ पाए। अपनी चादर, रजाई, तकिए ऐसे रखें, जिनमें आप पूरी तरह से आरामदायक महसूस करे सकें।

गैजेट्स से बनाएं दूरी

मोबाइल फोन और लैपटॉप के इस्तेमाल का एक समय तय करें। रात में नींद न आने का सबसे बड़ा कारण यही होते हैं। ऑफिस के काम को कभी भी घर पर न लेकर आएं। अगर आप 10 या 11 बजे सोते हैं, तो 8 या 9 बजे के बाद मोबाइल फोन को साइलेंट मोड पर रख दें।

वर्कआउट करें

अगर किसी भी तरह से सोने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं तो सुबह या शाम में वर्कआउट जरूर करें। रोज एक्सरसाइज करना सोने में बहुत मददगार साबित होता है। लेकिन अगर शाम को वर्कआउट करते हैं तो सोने से पहले 3-4 घंटे पहले ही उसे खत्म करें।

बॉडी को फिट रखने के लिए करें ये 3 एक्सरसाइज

जरूरी नहीं कि जिम और योगा क्लासेस जाकर ही सेहत बनाई जाए। घर के कामों को करते हुए भी खुद को फिट एंड फाइन रखा जा सकता है। घरेलू काम करने से बॉडी एक्टिव बनी रहती है और उसे एनर्जी भी मिलती है। जानेंगे ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज, जिनसे हिप्स, थाईज और पेट की चर्बी को आसानी से कम किया जा सकता है।

सूमो स्क्वैट्स

कुर्सी लें और उसकी तरफ पीठ करके खड़े हो जाएं। बायां पैर फैलाएं (कमर की चौड़ाई से अधिक दूरी पर) शरीर का वजन एड़ियों पर डालें और पंजे जमीन से ऊपर की ओर उठाएं। सीना तानकर रखें, हाथ नमस्ते की तरह रखें और कुर्सी पर बैठने की अवस्था में आएं, लेकिन बैठें नहीं। तुरंत ऊपर उठें, हाथों को ऊपर उछालें, जैसे हवा में कुछ फेंक रहे हों और शरीर का सारा वजन पंजों पर ले आएं (एड़ियों को उठा लें) इसे 20 बार करें, फिर दाएं पैर से दोहराएं।

वी ट्विस्ट

सीधा खड़े हो जाएं, एड़ियों को पूरी तरह चिपका लें और पंजों को 3 से 4 इंच की दूरी पर रखें। एड़ियों को जमीन से 1-2 इंच ऊंचा उठाएं और घुटने मोड़ें। सीना तानकर रखें। अब हाथों को शरीर से दूर ले जाएं और कोहनियों को थोड़ा मोड़ें, ताकि हाथों को आगे-पीछे घुमाया जा सके। कमर से नीचे का हिस्सा स्थिर रखें और बाईं ओर से पीछे मुड़ें (चित्र में देखें) तुरंत सामने आएं और फिर दाईं ओर से इस प्रक्रिया को दोहराएं। इसे लगातार 20 बार करें। यदि आसानी से घुटने मुड़ पा रहे हों और कमर व घुटनों में दर्द की शिकायत न रहती हो, तो घुटनों को ज्यादा मोड़ें, जैसे कुर्सी पर बैठे हों।

नी कैच

चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। कूल्हों के नीचे एक छोटा-सा तकिया लगा लें और सिर के नीचे हाथों को रखें। पैरों को ऊपर उठाएं और सीधा रखें। ध्यान रहे, पैरों को एकदम ऊंचा नहीं उठाना है, ऐसे में पेट पर बल आएगा, जो शरीर के लिए अच्छा है। अब दाएं पैर के घुटने को थोड़ा-सा मोड़ें। पैर मोड़ने पर दायां तलवा बाएं पैर के टखने तक आना चाहिए। 2-3 सेकंड्स रुकें और पहले वाली अवस्था में आ जाएं। अब यही प्रक्रिया बाएं पैर से दोहराएं। इसे 30 बार करना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त–दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे ।
शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह–शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन–देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह माता–पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा । मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार–चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी । जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी।
शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को मनोबल बढ़ाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली–भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढ़ेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।
कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी । परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए । नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर–परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें । आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल–दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा । साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अप्रैल 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:34 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 03:23 तक
योग : ब्रह्म दोपहर 01:24 तक
करण : गर प्रातः 11:30 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रातः 09:38 तक
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा रात्रि 10:32 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

घर की खुशबू...

घर की सुगंध से वहां रहने वालों के रिश्तों, व्यवहार, स्वभाव, आदतों व कलात्मक अभिरुचियों का पता चलता है। शोधों से पता चलता है कि खुशबू का व्यक्ति के व्यवहार व भावनाओं से सीधा संबंध है। सही खुशबू का चयन न सिर्फ डेकोरेशन के लिए जरूरी है, बल्कि इससे मन में सुकून भी रहता है।

इंसान के मन से सुगंध का नाता बडा पुराना है। कभी कोई सुगंध एकाएक अतीत में पहुंचा कर नॉस्टेल्जिक बना देती है, तो कोई मन में आशा-उत्साह का संचार करती है। जिस तरह मन व शरीर की सेहत के लिए अरोमाथेरेपी की जरूरत है, उसी तरह घर की सेहत के लिए भी यह जरूरी है। घर की सुगंध से वहां रहने वालों के रिश्तों, व्यवहार, स्वभाव, आदतों व कलात्मक अभिरुचियों का पता चलता है। शोधों से पता चलता है कि खुशबू का व्यक्ति के व्यवहार व भावनाओं से सीधा संबंध है। सही खुशबू का चयन न सिर्फ डेकोरेशन के लिए जरूरी है, बल्कि इससे मन में सुकून भी रहता है। पहले हर घर में सुबह-शाम अगरबत्तियां जलाई जाती थीं या ताजे फूल सजाए जाते थे। मगर अब घर को सुगंधित रखने के कई तरीके हैं। सारे एसेंशियल ऑयल या फ्रेग्रेंस परफ्यूम पर आधारित हैं। 100 फीसद शुद्ध खुशबू मिलना मुश्किल है, क्योंकि बाजार में एक किलोग्राम जैस्मिन का मूल्य करीब एक लाख रुपए है। लिहाजा एसेंशियल ऑयल में नॉन-टॉक्सिक अरोमा मिलाकर एक कॉम्बो तैयार किया जाता है, जिसमें इंटरनेशनल गाइडलाइंस फॉलो की जाती हैं, ताकि फ्रेग्रेंस में कोईटॉक्सिक तत्व न मिलाया जा सके। रीड डिफ्यूजर्स, फ्रेग्रेंस वेपोराइजर्स और पोपोरीज भी मेंटेनेंस-फ्री अरोमेटिक अनुभव देते हैं।

कैंडल्स का जादू

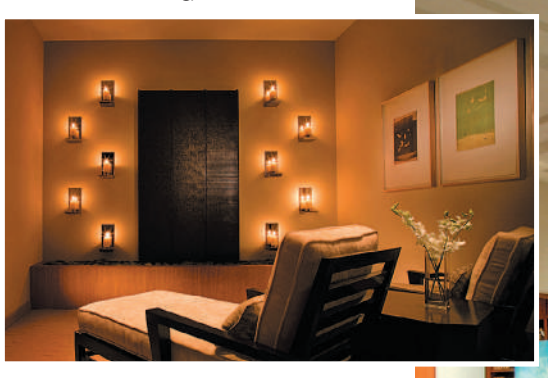

अरोमा कैंडल्स बहुत लोकप्रिय हैं। इनसे कमरे को सॉफ्ट, रोमैंटिक माहौल मिलता है। डेकोरेशन और लाइट के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। मगर कैंडल्स लेने से पहले इनके इंग्रीडिएंट्स, साइज व शेप पर भी ध्यान देना चाहिए। पैराफिन वैक्स कैंडल्स सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। मगर ये जल्दी खत्म हो जाती हैं, जबकि बीज्वैक्स कैंडल्स देर तक जलती हैं। ये पैराफिन से महंगी होती हैं। माना जाता है कि ये एलर्जी की प्रॉब्लम में भी फायेदमंद है। पिलर कैंडल्स कॉमन हैं, जिन्हें होल्डर्स में फिट किया जा सकता है। ये अलग-अलग हाइट, कलर्स व खुशबू में मिलती हैं। कैंडल स्टिक्स प्रचलित हैं, लेकिन इन्हें होल्डर में नहीं लगाया जा सकता। टी लाइट्स छोटी होती हैं। इन्हें डेकोरेटिव कैंडल्स, फूड वार्मर्स या वोटिव होल्डर्स में इस्तेमाल किया जाता है। फ्लोटिंग कैंडल्स को पानी से भरे कंटेनर्स में रखा जाता है। फिल्ड कैंडल्स सरैमिक कंटेनर या हीट रेजिस्टेंट ग्लास में रखी जा सकती हैं।

खुशबू का चुनाव

घर में हर कमरे का अलग महत्व है। इसी के हिसाब से खुशबू चुननी चाहिए। बिना सोचे-समझे फ्रेग्रेंस के इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। लिविंग रूम वह कॉमन एरिया है, जहां पूरा परिवार एक साथ बैठता है या मेहमानों का स्वागत करता है। यहां सिट्रस, टीकवुड, एपल, सिनमन, लाइट फ्लोरल अरोमा इस्तेमाल करें। हेवी फ्रेग्रेंस यहां अच्छी नहीं लगती। छुट्टियों में पाइन या होली सेंट्स सही हैं। कैंडल्स लेने से पहले देखें कि क्या ये लिविंग रूम की कलर स्कीम से मैच करते हैं। बेडरूम में दिन भर की थकान के बाद व्यक्ति चैन की नींद लेना चाहता है। यहां शांत-सौम्य गंध अच्छी लगती है। अरोमाथेरेपी सेंट्स माहौल को रोमैंटिक भी बनाते हैं। लैवेंडर, सिनमन, जैस्मिन, क्यूकंबर, मेलन, ऑरेंज ब्लॉसम, लाइट रोज और पचोली जैसी सुगंध यहां अच्छी लगती हैं। लैवेंडर व वनीला से अच्छी नींद आती है तो यूकेलिप्टस या मिंट की सुगंध दबाव व थकान को दूर करती है। स्ट्रॉन्ग फ्रेग्रेंस का इस्तेमाल यहां न करें।

किड्स रूम की खुशबू बच्चों के बेडरूम या स्टडी में लेमनग्रास जरूरी है। इससे बने एसेंशियल ऑयल की एक बूंद भी कीटाणुओं से लडने में कारगर है। इसकी खुशबू एकाग्रता बढाती है। परीक्षा के दौरान इसका इस्तेमाल करें। रीड डिफ्यूजर या सरैमिक पॉट में इसकी एक-दो बूंद डालें और उसमें बैंबू स्टिक्स रखें। यह कॉम्बो किड्स रूम के लिए बेस्ट है।

किचन और डाइनिंग रूम

किचन में फूड सेंटेड कैंडल्स सही विकल्प हैं। वनीला, एपल, कॉफी, कुकी फ्लेवर्ड या सिट्रस फ्रेग्रेंसेज का चयन कर सकते हैं। पंपकिन, जिंजरब्रेड और सिनमन भी सही विकल्प हैं। पचोली, तुलसी या बेसिल भी विषैले तत्वों को डिटॉक्सीफाई करने में कारगर है। डाइनिंग रूम में फ्लोरल और फूड सेंट्स प्रयोग न करें। स्ट्रॉन्ग गंध खाने के स्वाद को प्रभावित कर सकती है। फ्रूटी फ्रेग्रेंसेज जैसे क्यूकंबर और व्हाइट सिट्रस किचन और डाइनिंग रूम के लिए सही हैं। बाथरूम के लिए लिनेन, सिट्रस, मिंट या ओशन थीम वाली खुशबू अच्छी लगती हैं। यहां व्हाइट, ब्ल्यू या बेज कलर्स की कैंडल्स अच्छी लगेंगी। डिफ्यूजर्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

फ्रेग्रेंस का मन से रिश्ता

लैवेंडर: शांति, संतुलन, सुकून देती है इसकी खुशबू। इससे तनाव, थकान, चिडचिडाहट, कुंठाएं, नर्वस एंग्जायटी, पैनिक हिस्टीरिया एवं इन्सोम्निया की समस्याएं दूर होती हैं।

सिनमन और जैस्मिन: यह फ्रेग्रेंस मन में सपने, इच्छाएं और आशा जगाती है। इसके अलावा व्यक्ति का आत्मविश्वास बढाने में भी कारगर है।

क्यूकंबर-मेलन: क्यूकंबर और मेलन का यूनीक कॉम्बो स्त्रियों की सेंसुअलिटी को बढाने में कारगर है। यह मन में रोमैंटिक भावनाओं का संचार भी करता है, साथ ही मसल्स को राहत देता है और तनाव व दबाव से उबारता है।

ऑरेंज ब्लॉसम और पचोली: टैंजरीन व पचोली की खुशबू आत्मविश्वास बढाने और मन में आशा का संचार करने में कारगर मानी जाती है। इससे तनाव-दबाव सहित पाचन तंत्र से जुडी समस्याएं भी दूर होती हैं।

प्राकृतिक तरीके

हाउसप्लांट्स में निवेश करें: अपने किचनगार्डन, बैलकनी या लॉन में कुछ फूल-पौधे या हर्ब्स अवश्य लगाएं ताकि इनकी महक घर को सुगंधित कर दे। किचन, बाथरूम, लिविंग रूम में भी हर्ब्स या छोटे पॉट्स रखे जा सकते हैं। हरे-भरे पौधे वायु प्रदूषण को भी कम करते हैं।

किचन को बनाएं खुशबू की लेबोरेट्री: संतरे के छिलके, नीबू या कोई भी सिट्रस फ्रूट्स किचन और फ्रिज को महका सकते हैं। गर्म पानी से भरे एक छोटे बोल में इन छिलकों को रखें तो किचन में फ्रेश सेंट महकेगा। बचे हुए छिलकों को बेकार न होने दें। इन्हें गर्म पानी में थोडे से डिटर्जेंट के साथ मिलाएं और इस मिश्रण से किचन यूटेंसिल्स या प्लैटफॉर्म की सफाई करें। सफाई बेहतर होगी तो बैक्टीरिया बेअसर होंगे और मन में भरेगा ताजगी भरा एहसास।

व्हाइट वेनेगर: कमरे के एक कोने में व्हाइट वेनेगर (सिरका) से भरे बोल रखें। दुर्गंध हटाने का यह प्राकृतिक तरीका है। घर के अलग-अलग हिस्सों को अलग खुशबू दें। लिविंग रूम के लिए लैवेंडर, बेडरूम में सेंडलवुड या बाथरूम में पैपरमिंट का इस्तेमाल करके देखें।

दूरियां मिटाते ब्रिज...

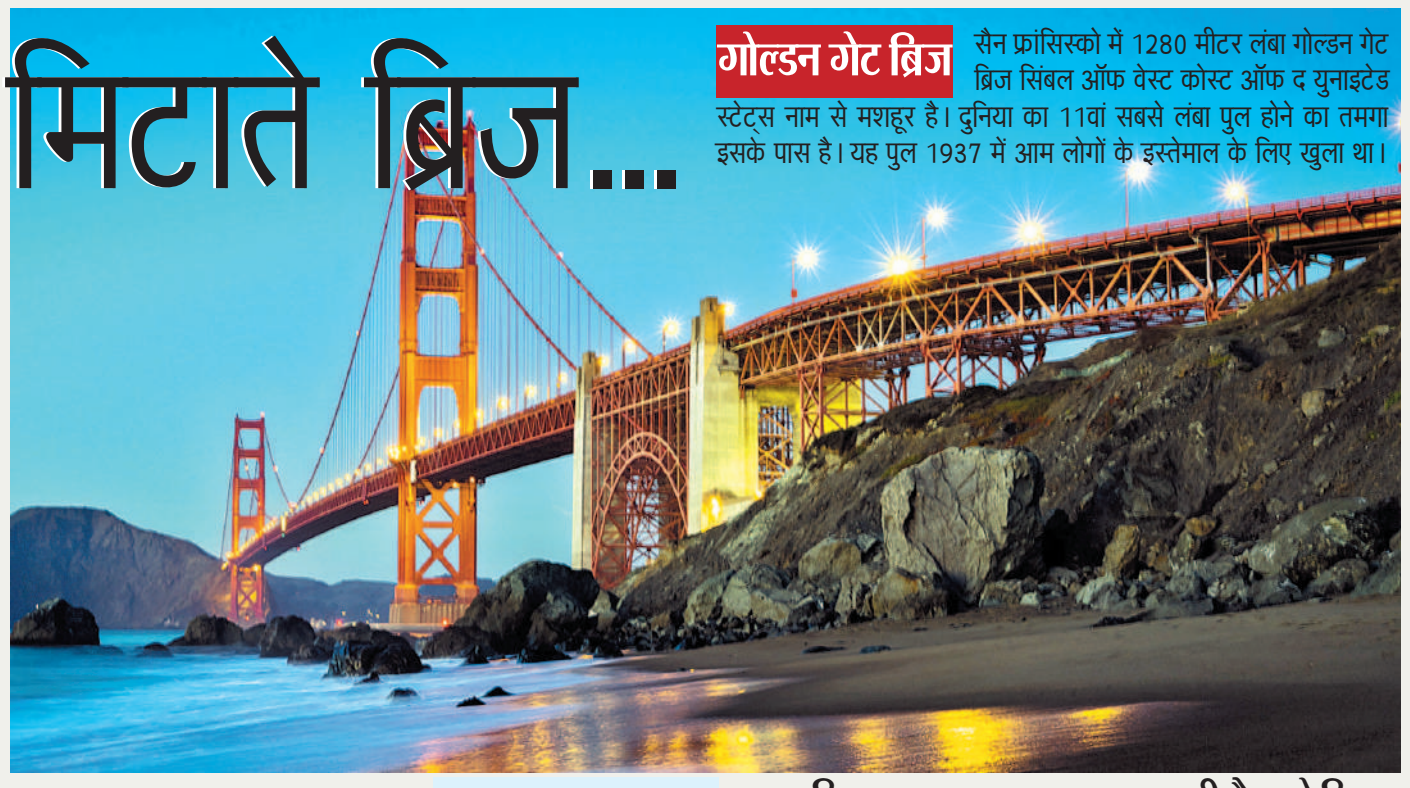

गोल्डन गेट ब्रिज सैन फ्रांसिस्को में 1280 मीटर लंबा गोल्डन गेट ब्रिज सिंबल ऑफ वेस्ट कोस्ट ऑफ द युनाइटेड स्टेट्स नाम से मशहूर है। दुनिया का 11वां सबसे लंबा पुल होने का तमगा इसके पास है। यह पुल 1937 में आम लोगों के इस्तेमाल के लिए खुला था।

इस विशाल दुनिया को अगर कोई चीज एक करती है तो वह है नदी, सागर पर बने पुल। इनमें से अनेक अपनी खूबसूरती, ऊंचाई और लंबाई के लिए मशहूर हैं। हमेशा से पुलों का खासा महत्व रहा है, क्योंकि इनके बिना जमीनी परिवहन संभव ही नहीं। लोगों, संस्कृतियों को एक-दूसरे के करीब लाते पुलों पर एक नजर।

टॉवर ब्रिज

लंदन में टॉवर ब्रिज 1886 में बनना शुरू हुआ और 1894 में बनकर तैयार हो गया। यह टेम्स नदी पर बना है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा पर्यटकों को अपनी ओर खींचने वाला पुल है।

ब्रूकलिन ब्रिज

न्यूयॉर्क में ब्रूकलिन ब्रिज 1883 में बनकर तैयार हुआ। यह अमेरिका के सबसे पुराने सस्पेंशन ब्रिज में से है। ब्रूकलिन ब्रिज न्यूयॉर्क में पर्यटकों के लिए हमेशा से खासी दिलचस्पी का केंद्र रहा है।

सिडनी हार्बर ब्रिज

ऑस्ट्रेलिया का सिडनी हार्बर ब्रिज अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है। इस पुल पर हर नए साल पर होने वाली आतिशबाजी बेहद खास होती है।

पोंट वेक्कीओ

इटली में पत्थर से बना पोंट वेक्कीओ ब्रिज इकलौता ऐसा पुल है, जो द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका से बचा रहा। इस पुल पर दुकानें भी हैं। खास तौर पर ऑर्ट और ज्वैलरी की।

रिअल्टो ब्रिज

इटली के वेनिश शहर के 4 सबसे बड़े और पुराने पुलों में से एक है रिअल्टो ब्रिज। यह साल 1591 में बनकर तैयार हुआ, जिसने 1524 में तबाह हुए लकड़ी के पुल का स्थान लिया।

मिल्लउ वायडक्ट

फ्रांस में 343 मीटर ऊंचा मिल्लउ वायडक्ट ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है। यह 2004 में बनकर तैयार हुआ, जो दक्षिणी फ्रांस में है। यह पुल एफिल टॉवर से भी ऊंचा है।

चार्ल्स ब्रिज

प्रॉग में व्लातवा नदी पर बना यह पुल 1357 ईस्वी में बनना शुरू हुआ और 15वीं शताब्दी की शुरुआत में जाकर बना। यह पुल पुराने प्रॉग शहर को तटीय क्षेत्र से जोड़ता है।

अकाशी कैक्यो ब्रिज

जापान में अकाशी कैक्यो ब्रिज1991 मीटर लंबा है, जो 1998 में बनकर तैयार हुआ। यह दुनिया का चौथा लंबा पुल है।

ग्रेट बेल्ड ब्रिज

डेनमार्क में ग्रेट बेल्ड ब्रिज1998 में बनकर तैयार हुआ। यह डेनिश आईलैंड ऑफ जीलैंड और फुनेन को जोड़ता है। यह पुल 6790 मीटर लंबा और 154 मीटर ऊंचा है। यह दुनिया का 8वां सबसे लंबा ब्रिज है।

संपादकीय

अभी क्यों गए छोड़ कर

देवी मां सरस्वती को शायद ही किसी ने देखा, सुना और अनुभव किया होगा, लेकिन कुछ पीढ़ियों ने मां सरस्वती के दो चेहरे देखे हैं। दो प्रतिमाएं और दो प्रतिकृतियां न केवल देखी हैं, बल्कि उनकी सुर-साधना, अप्रतिम, खूबसूरत गायकी की साक्षी भी रही हैं। मां सरस्वती का एक चेहरा लता मंगेशकर थीं, जिनके लिए कोई भी उपमा, रूपक या विशेषण बहुत छोटे हैं। लता जी वाकई 'भारत-रत्न' थीं। देवी मां का दूसरा चेहरा आशा भोंसले का है, जो पार्थिव रूप से हमें छोड़ कर चली गई हैं। आशा जी अपनी बड़ी बहन और संगीत की वटवृक्ष लता मंगेशकर की न तो छाया थीं, न ही विकल्प थीं, बल्कि खुद एक संस्थान थीं। मां सरस्वती ने उन्हें ऐसी आवाज, खनक, लोच, चंचलता, बालपन, शोखियां, रोमांस, मुर्कियां बख्शी थीं, जो दुर्लभ थीं और आज तो ऐसी बहुमुखी प्रतिभा की कल्पना तक नहीं की जा सकती। यह बात लता जी ने भी एक साक्षात्कार में कही थी कि दूसरी लता हम सबके सामने आ सकती है, लेकिन दूसरी आशा पैदा नहीं हो सकती। निश्चित रूप से आशा जी की गायकी वहीदा रहमान, आशा पारेख के लिए भी थी, तो हेलन, बिंदु, अरुणा ईरानी सरीखी नृत्यांगनाओं और कुछ खलनायक किरदारों के लिए भी थी। उन्होंने 'उमराव जान' में रेखा के लिए जो ऽग़ज़लें गाईं, वह आशा जी के गायन-हुनर का एक अनूठा आयाम था। उस गायकी ने सभी को चौंका दिया कि आशा जी इतने ठहराव के गाने भी गा सकती हैं, लिहाजा उस फिल्म के लिए उन्हें पाश्र्व गायिका के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये सम्मान तो आशा जी पेशेवर पहचान का एक हिस्सा मानती थीं, लेकिन भारत में और विदेशों में न जाने कितनी पीढ़ियां उनके गीत सुनते, गुनगुनाते जवान हुईं, बूढ़ी भी हो गईं और 'इंडियन आयडल' के मंच पर किशोर-युवा पीढ़ी आज भी उनके गीत शिद्दत से गा रही है। यह है हुनर का अमरत्व, निरंतरता और चिरंतनता! ऐसा लगता है, आशा जी पर कोई दैवीय कृपा थी, जो वह 90 साल की उम्र तक गाती रहीं, कंसर्ट करती रहीं। उनके करीब आठ दशक के करियर में उन्होंने 20 देसी-विदेशी भाषाओं में 12,000 से अधिक गीत गाए। उन्हें सबसे अधिक रिकॉर्ड किए गए गायक के तौर पर 'गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया। बेशक यह अतुलनीय, अभूतपूर्व सम्मान था। उन्हें सिनेमा में गायकी के अप्रतिम योगदान के लिए भारत सरकार ने सर्वोच्च 'दादा फाल्के सम्मान' से नवाजा। भारत सरकार ने उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से भी अलंकृत किया। दो राष्ट्रीय पुरस्कार और 9 'फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ गायिका' के सम्मान भी मिले। महाराष्ट्र सरकार ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया, लेकिन आशा जी हमेशा मानती रहीं कि जो जनता उनके गाने सुनती, गुनगुनाती है और भर-भर कर प्यार देती है, वह ही सर्वश्रेष्ठ और विराट सम्मान है। बहरहाल आज पार्थिव रूप से वह हमारे बीच नहीं रहीं। अब उनका हंसता, मुस्कुराता, अठखेलियां करता, कुछ ठुमके लगाता व्यक्तित्व साक्षात हमारे सामने नहीं होगा, लेकिन कलाकार तो 'चिरंजीवी' होता है। वह अपनी कला के जरिए जीवंत और प्रासंगिक बना रहता है। अंग्रेजी की एक पुरानी कहावत याद आ रही है, जिसका अनुवाद यह हो सकता है-हे मौत! तू इतना गुरूर मत कर। मैं अपनी कला में सदैव जिंदा रहूंगा। बहरहाल आज आशा जी के कुछ पुराने, सदाबहार, हिट गानों की पंक्तियां याद आ रही हैं। उन्हीं में से एक गीत के आधार पर हमने अपने संपादकीय का शीर्षक तय किया है। हम हमेशा उन गानों को गुनगुनाएंगे। याद रखेंगे कि आशा जी को 'अंतरराष्ट्रीय ग्रैमी अवार्ड' के लिए भी नामांकित किया गया था। याद करते रहेंगे कि जिन बेटियों के पिता बहुत बचपन में ही गुजर गए, उन्होंने रोजी-रोटी के लिए कितना संघर्ष किया होगा! अंततः आसमान छुए। आशा जी ऐसी गायिका थीं, जिन्होंने ओपी नैयर के साथ-साथ रोशन, मदनमोहन, खय्याम, कल्याण जी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल और नए अंदाज के संगीतकारों के साथ काम किया। हर भाव के गाने गाए। हम उस मखमली एहसास, प्रयोगधर्मी आवाज, पाश्चात्य गायन को कभी भूल नहीं सकते। आशा जी को विनम्र श्रद्धांजलि। इसी बीच उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग जुटे, कई नामी चेहरों ने भी शिरकत की और उन्हें आदरांजलि दी। अब आशा जी अपने गानों में अमर रहेंगी।

दो प्रतिमाएं और दो प्रतिकृतियां न केवल देखी हैं, बल्कि उनकी सुर-साधना, अप्रतिम, खूबसूरत गायकी की साक्षी भी रही हैं। मां सरस्वती का एक चेहरा लता मंगेशकर थीं, जिनके लिए कोई भी उपमा, रूपक या विशेषण बहुत छोटे हैं। लता जी वाकई 'भारत-रत्न' थीं। देवी मां का दूसरा चेहरा आशा भोंसले का है, जो पार्थिव रूप से हमें छोड़ कर चली गई हैं। आशा जी अपनी बड़ी बहन और संगीत की वटवृक्ष लता मंगेशकर की न तो छाया थीं, न ही विकल्प थीं, बल्कि खुद एक संस्थान थीं। मां सरस्वती ने उन्हें ऐसी आवाज, खनक, लोच, चंचलता, बालपन, शोखियां, रोमांस, मुर्कियां बख्शी थीं, जो दुर्लभ थीं और आज तो ऐसी बहुमुखी प्रतिभा की कल्पना तक नहीं की जा सकती। यह बात लता जी ने भी एक साक्षात्कार में कही थी कि दूसरी लता हम सबके सामने आ सकती है, लेकिन दूसरी आशा पैदा नहीं हो सकती। निश्चित रूप से आशा जी की गायकी वहीदा रहमान, आशा पारेख के लिए भी थी, तो हेलन, बिंदु, अरुणा ईरानी सरीखी नृत्यांगनाओं और कुछ खलनायक किरदारों के लिए भी थी।

कुछ अलग

पाषाण युग...

मैं अपने लैपटॉप पर यह व्यंग्य लेख ख़ुद टाइप रहा हूं, लेकिन मुझे आज भी विश्वास नहीं कि हम आधुनिक युग में जी रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि मैं घने जंगलों में किसी गुफा में बैठकर पत्थर पर लिख रहा हूं। जब भी किसी नेता, अफसर, न्यायधीश या बुद्धिजीवी को अल्ल-बल्ल पढ़ते देखता हूं तो मुझे आदमी के सभ्य होने पर शुबह होने लगता है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली कहे जाने वाले देश का राष्ट्रपति ईरान पर ज़बरन युद्ध थोपने के बाद जब व्हाइट हाउस में बैठकर उसे पाषाण युग में भेजने की बात करता है, तो लगता है कि कोई वन मानुष गुफा में बैठकर पत्थर के हथियार बना रहा है। इधर, अपने देश की राष्ट्रवादी सरकार अपने एजेंडे के तहत पाठ्यक्रमों से चार्ल्स डार्विन के मानवीय विकास के सिद्धांत को हटा रही है ताकि मनुष्य की उत्पत्ति वाली ब्राह्मणी सोच और सिद्धांत को सही ठहराया जा सके। चार्ल्स डार्विन का मानवीय विकास का सिद्धांत बताता है कि मनुष्य का विकास बंदरों या वानर जैसे पूर्वजों से क्रमिक रूप से हुआ है। उन्होंने प्राकृतिक चयन, योग्यतम की उत्तरजीविता, सामान्य पूर्वज और शारीरिक समानता के माध्यम से मनुष्यों की उत्पत्ति की वैज्ञानिक व्याख्या की है। इसके विपरीत ब्राह्मणी सोच कहती है कि मनुष्य ब्रह्मा के शरीर से पैदा हुआ। ब्रह्मा के मुख से ब्राह्मण पैदा हुए, बाहों से क्षत्रिय, पेट से वैश्य और पैरों से शूद्र। मैं इसकी शास्त्रीय व्याख्या के फेर में नहीं पडऩा चाहता। पर प्रकृति कभी अपने नियमों के विपरीत नहीं जाती। इसलिए मुझे आज तक समझ नहीं आया कि अगर ब्रह्मा पुरुष हैं तो वह अपने शरीर से दूसरे व्यक्ति को कैसे उत्पन्न कर सकते हैं।

भारत में उच्च अध्ययन के लिए विदेशों से आने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही

भारत में विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या

डा. जयंती लाल भंडारी

भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। यह संकेत है कि सरकार भारत को केवल प्रतिभाओं की आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, वरन वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करियर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है।

यकीनन यह सुकूनदेह परिदृश्य है कि भारत में उच्च अध्ययन के लिए विदेशों से आने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस समय भारत एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। हाल ही में वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली ख्याति प्राप्त अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में वल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। यह संकेत है कि सरकार भारत को केवल प्रतिभाओं की आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, वरन वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करियर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। हाल ही में संसद में बताया गया कि वर्ष 2023 में 9.08 लाख भारतीय छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए गए थे, वर्ष 2024 में यह संख्या गिरकर 7.7 लाख पर आ गई और वर्ष 2025 में यह संख्या और घटकर 6.26 पर पहुंच गई। निःसंदेह भारत में वर्ष-प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या और भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में कमी के कई कारण हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण

बनाने के कई कदम उठाए हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। उच्च शिक्षा में ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है। यही कारण है कि क्यूएस वल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की संख्या 2014-15 के मात्र 11 से बढक़र नवीनतम संस्करण में 54 हो गई है। वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। इस समय उच्च शिक्षा में छात्रों की जो संख्या 4.46 करोड़ से अधिक है, वह बढक़र 2035 तक 8.6 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में अमरीकी गृह सुरक्षा विभाग के द्वारा रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल के भीतर भारतीय छात्रों के ग्राफ में बड़ी गिरावट आई है। फरवरी 2025 में अमरीका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 378787 भारतीय छात्र अध्ययनरत थे। फरवरी 2026 में यह संख्या घटकर 352644 रह गई। गिरावट का स्तर : केवल 12 महीनों में करीब 26143 छात्रों की कमी आई है, जो लगभग 6.9 प्रतिशत की गिरावट है। इसका असर भारत के छात्रों पर अधिक पड़ा है और अमरीका जाने वाले छात्रों की संख्या में तेज गिरावट आई है। इतना ही नहीं, अमरीका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढना मुश्किल हो गया है। केवल अमरीका ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया ने भी भारतीय छात्रों के लिए अपनी दहलीज ऊंची कर दी है। 8 जनवरी 2026 से ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने भारतीय आवेदकों के लिए साक्ष्य आवश्यकता स्तर को 'ईएल 2' से संशोधित करके 'ईएल 3' कर दिया है। ईएल 3 श्रेणी का अर्थ है कि भारत अब ऑस्ट्रेलिया के लिए 'उच्चतम जोखिम' वाले देशों की सूची में है। अब हर छात्र के आवेदन की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी। अब छात्रों को अपनी वित्तीय क्षमता और शैक्षणिक रिकॉर्ड के अधिक कड़े प्रमाण देने होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से संबद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है। निश्चित रूप से भारत के पास बदलते हुए दौर में उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनने के अवसर मौजूद हैं। इसे मुट्ठी में करने के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढऩा होगा। देश को शिक्षा के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में तेजी से उन्नत कौशल विकसित करने की रणनीति अपनाना होगी। देश में वैश्विक शिक्षा को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाकर खासतौर से एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया सहित कई विकसित और विकासशील देशों के छात्रों के कदम भारत की यूनिवर्सिटीज की ओर मोडऩे के लिए प्रयास करने होंगे। भारत को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, डिजाइन, मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों की वैश्विक शिक्षा का हब बनाने के विशेष प्रयत्न करने होंगे। देश में विदेशी परिसरों को आकर्षित करने के मद्देनजर भारतीय यूनिवर्सिटियों की रैंकिंग को और ऊंचाई पर पहुंचाना होगा। इन सबके साथ-साथ सरकार के द्वारा उच्च शिक्षा और डिजिटल शिक्षा पर निवेश बढ़ाना होगा। उम्मीद करें कि सरकार वैश्विक शिक्षा के बदलते हुए गंतव्य देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत को वैश्विक शिक्षा का नया हब बनाने के लिए भारत को एआई तथा भविष्य की टेक्नोलॉजी पर आधारित वैश्विक और डिजिटल शिक्षा का ऐसा सस्ता और गुणवत्तापूर्ण हब बनाने की राह पर आगे बढ़ेगी, जिससे भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में और कमी आए तथा विदेश से उच्च शिक्षा के लिए भारत आने वाले छात्रों की संख्या में और वृद्धि हो। भारत को शिक्षा के हब के रूप में विकसित करना होगा। शिक्षा में गुणवत्ता लाने से लक्ष्य पूरा होगा।

देश दुनिया से

जंगलों की कम होती ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने की क्षमता

दुनिया के जंगल हमारे पारिस्थितिक तंत्र का आधार हैं और ग्लोबल वार्मिंग से लड़कर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन अब उनकी विशिष्ट भूमिका कमजोर हो रही है क्योंकि जंगलों में तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों की भरमार हो रही है और लंबे समय तक जीने वाली प्रजातियां तेजी से गायब हो रही हैं। स्थिर और लंबे जीवनकाल वाले पेड़ों की जगह तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को रखना टिम्बर इंडस्ट्री और जंगल की आग के बाद जल्दी संभलने के लिए फायदेमंद है लेकिन बदलते मौसम का सामना करते समय यह जंगलों को बहुत ज्यादा खतरे में डालता है। डेनमार्क की ओरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 31,001 पेड़ों की प्रजातियों का वैश्विक विश्लेषण करके बताया है कि तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किन जंगलों में हावी हो रहे हैं। डेनिश वैज्ञानिक जेन्स-क्रिश्चियन स्वेनिंग ने नक्शों का इस्तेमाल करके दिखाया कि धीरे-धीरे बढ़ने वाले, खास किस्म के पेड़ तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों के आगे हार रहे हैं। स्वेनिंग ने उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय इलाकों में ऐसे कई छोटे पेड़ों का उल्लेख किया है जिनके गायब होने की संभावना सबसे ज्यादा है। एक बार जब तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किसी जगह पर हावी हो जाते हैं, तो तूफान, सूखा और कीड़े उस जंगल के बड़े हिस्से को एक साथ गिरा सकते हैं। दरअसल, लकड़ी काटने, सड़क बनाने और आग लगने से खुली धूप वाली जगहें बन जाती हैं, जहां तेजी से बढ़ने वाले पेड़ बहुत जल्दी फैल जाते हैं। हल्की पत्तियों और मुलायम लकड़ी की वजह से ये पेड़ तेजी से बढ़ते हैं। सूखे या गर्मी की वजह से पानी की कमी होने पर भी ऐसे पेड़ों का बढ़ना जारी रहता है। इन पेड़ों में लकड़ी का घनत्व कम होता है, जिसकी वजह से इनके तने आसानी से टूट जाते हैं और जल्दी सूख जाते हैं। विषम परिस्थितियों में हल्की लकड़ी वाले पेड़ों के मरने की संभावना अधिक होती है। लंबे समय तक चलने वाले पेड़ धीरे-धीरे बढ़ते थे। मौसम खराब होने पर उनकी गहरी जड़ें और मजबूत तने जंगल को एक साथ बनाए रखते थे। घनी लकड़ी और मजबूत पत्तियों ने उन्हें सूखे और कीड़ों से बचने में मदद की। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने ऐसे पेड़ों के टिकाऊपन को जलवायु सुरक्षा से जोड़ा है। इस तरह के पेड़ जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं और स्थिरता और कार्बन

भंडारण में योगदान देते हैं। जैसे-जैसे तूफान, कटाई और गर्मी से जंगलों पर दबाव बढ़ता है, पेड़ों की बाहरी प्रजातियां रोशनी, पानी और पोषक तत्वों के लिए मूल पौधों को घेर लेती हैं। यह दबाव दुर्लभ स्थानीय पेड़ों को खत्म होने के करीब ला सकता है। उष्णकटिबंधीय जंगलों में कई पेड़ों की प्रजातियां छोटे-छोटे इलाकों में मिलती हैं, इसलिए कुछ पेड़ों के खत्म होने से पूरा खाद्य चक्र तेजी से कम हो सकता है। जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं। धीरे-धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है। तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं। उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है। इससे जंगल लंबे समय तक कार्बन जमा करने में कम असरदार हो जाते हैं। सही पेड़ों के बिना जंगल उन पक्षियों और स्तनपायी जीवों को खो सकते हैं जो बीज फैलाते हैं, जिससे तूफान या आग के बाद जंगल में रिकवरी धीमी हो जाती है। जंगल के प्रबंधक अक्सर जल्दी फसल के लिए तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को पसंद करते हैं, लेकिन जब पौधों में धीमी गति से बढ़ने वाली प्रजातियां भी शामिल होती हैं, तो जंगल लंबे समय तक अपनी मजबूती बनाए रख सकते हैं। ज्यादा पेड़ चुनने से दुर्लभ आनुवांशिकी सुरक्षित रहती है और जब मौसम का तनाव बढ़ता है, यह जंगल में पुराने विकास वाले गुणों को बनाए रखती है। एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जंगलों की एक और भूमिका को उजागर किया है। अध्ययन में पाया गया कि वन की मिट्टी जलवायु परिवर्तन में जितना योगदान दे रही है, उसका हमें अंदाजा नहीं है। यह साल दर साल चुपचाप हवा से मीथेन को अवशोषित करती रहती है। दक्षिण-पश्चिम जर्मनी में लिए गए नए दीर्घकालिक मापों से पता चलता है कि कुछ वनों में यह भूमिगत मीथेन अवशोषण क्षमता कम होने के बजाय लगातार मजबूत होती जा रही है। जर्मनी के गोटिंगेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लगभग 25 वर्षों तक 13 वन भूखंडों में मीथेन के मूवमेंट का अध्ययन किया और पाया कि मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में प्रति वर्ष लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह निरंतर वृद्धि नम और शुष्क दोनों मौसमों और धीरे-धीरे बढ़ते तापमान के दौरान देखी गई। यह वृद्धि इस धारणा को चुनौती देती है कि जलवायु परिवर्तन से मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में एक समान कमी आएगी। नया अध्ययन इस बारे में भी नए सवाल खड़े करता है कि कुछ वन दूसरों की तुलना में तेजी से क्यों बेहतर हो रहे हैं। वनों के सूक्ष्मजीव मीथेन को अवशोषित करते हैं। कम वर्षा के कारण मिट्टी में वायु के लिए अधिक स्थान बचता है, जिससे मीथेन सतह के पास रहने के बजाय तेजी से नीचे की ओर जा सकती है। शुष्क मिट्टी में हवा से भरे छिद्र अधिक होते हैं जिससे मीथेन और ऑक्सीजन दोनों मिट्टी में आसानी से प्रवाहित हो जाते हैं। यह एक महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि मीथेन का उपभोग करने वाले सूक्ष्मजीवों को कार्य करने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। जांचे गए भूखंडों में शोधकर्ताओं ने मीथेन के अधिक अवशोषण को मिट्टी की कम नमी और धीरे-धीरे बढ़ने वाले मिट्टी के तापमान से जोड़ा। मीथेनोट्रोफ्स नामक सूक्ष्मजीव मीथेन का ईंधन के रूप में उपयोग करते हैं। एक बार जब मीथेन ऊपरी मिट्टी तक पहुंच जाती है तो ये जीव विभिन्न प्रतिक्रियाओं के जरिए उसे कार्बन डाइऑक्साइड और पानी के रूप में विखंडित कर देते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अत्यधिक शुष्क परिस्थितियां सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को दबा सकती हैं, जबकि लंबे समय तक गीली मिट्टी ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देती है और मीथेन उत्पादक सूक्ष्मजीवों को हावी होने का अवसर देती है। नासा के अनुसार मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में अधिक ऊष्मा अवशोषित करती है, लेकिन यह केवल 7 से 12 वर्षों तक ही बनी रहती है। जब मिट्टी मीथेन को अवशोषित करती है, तो यह वायुमंडल में पहुंचने वाली मीथेन की मात्रा को कम कर देती है, जिससे आने वाले वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग का दबाव कम हो जाता है।

आप का नज़रिया

हमें माफ करना बेटी

उन्नीस वर्षीय छात्रा की बेरहमी से हत्या ने हिमाचल के माहौल में कई आशंकाएं, भय और आक्रोश भर दिया है। सरकाघाट कालेज की ओर निकली यह मासूम बच्ची, समाज की बाहों, प्रदेश की निगाहों और कानून-व्यवस्था की राहों से इतना दूर पहुंचा दी गई कि अब वहां कातिल की दरिंदगी और प्रदेश का अफसोस चिन्हित हो रहा है। यह कारणों का विषाद नहीं, हमारी परवरिश और समाज के टूटते दर्पण का भी दोष है। ये जो हमने अपने बच्चे गेड़ी मारने, मोबाइल घुमाने और निरंकुश इरादों के सरगना बना दिए हैं, इन्हीं कारणों का जहन्नुम हमारे सामने खड़ा है। वहां मौत के परिदृश्य में सिर्फ एक कातिल या मासूम शिकार ही नहीं, बल्कि राज्य की भागदौड़ और व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा का मातमी नजारा भी देखा जा सकता है। हमने अपने आसपास मुर्दा शहर और मरी हुई बस्तियां चुन ली हैं। हमें अपने शोर में तुम्हारी चीख नहीं सुनाई देती, ये नए जमाने का पोशाक है, फटी हुई चमड़ी नहीं दिखाई देती। खुदगर्जी के आलम में इतना खो गए हम, कि मोहल्ले हमारे सामने ढह गए। यह पतन की पराकाष्ठा है या हमारे बाजुओं में कानून व्यवस्था से बेपरवाह ताकत आ गई। अब हिमाचल में अपराध के लम्हे बढ़ रहे हैं। होंगे कहीं बेटी के मां-बाप सुबक रहे या कई घाव लिए सरकाघाट भी रो रहा होगा, लेकिन इसी धरती पर किसी मां-बाप का बेटा क्यों कातिल बना। क्यों खेती पर आजमाया दराट किसी की बेटी का कातिल बना? यह दीगर है कि कुछ युवाओं ने कातिल के कदमों को भागने नहीं दिया और जंगल ने उसकी चुगली कर दी, वरना हमारे आसपास और कानून व्यवस्था के पास-पास सन्नाटे उभरने लगे हैं। हम नहीं समझ रहे हैं कि प्रदेश को अपनी कानून व्यवस्था के पहरे बढ़ाने और सतर्कता के नए दौर अपनाने होंगे। अब छोड़ दो यह सोचना कि हिमाचल भोला भाला, शरीफ और ईमानदार रहा है। हमारी आंखें कातिल हैं और दौलत का जलवा डराता है। जिस प्रदेश में केवल राजनीतिक चर्चाएं ही होती हैं। जहां सामुदायिक भावना खत्म हो चुकी हो। जहां रिश्ते-नाते अदालतों में जूझ रहे हों और जहां दिखावे की होड़ में सब कुछ जायज माना जा रहा हो, वहां स्कूल-कालेज महज गैरेज हैं, जहां हम अपने बच्चों को पार्क कर रहे हैं। जहां चिट्टे की आपूर्ति एक नेटवर्क है, वहां नशा पूरे प्रदेश की इज्जत उतार देगा। ये जो हमारे बच्चे अनियंत्रित व्यवहार के पतवार बन गए हैं, वहां हमारी कश्तियां ही तो जलेंगी, खुद को ढोते-ढोते। जरा हिसाब लगाना कि प्रदेश में कितने युवाओं के सुपुर्द हमने अंधाधुंध यातायात सौंप दिया है। ये जो टोलियों में दोपहिया वाहन या थार पर सवार होकर गेडियां मारते हैं, इन्हें हमने कौन सा शिष्टाचार सिखाया। आश्चर्य यह कि हिमाचल में पुलिस यातायात निगरानी से कतराती है, इसलिए हेलमेट के बिना हर सडक़ पर जिंदगी से स्टंट करते युवा मिल जाएंगे। दूसरा पक्ष यहां की नंगी और बदसूरत हो रही राजनीति का भी है, जहां युवाओं को सिर्फ एक वोट समझा जाने लगा है। तीसरा नीतियों का दोष है, जो कई बार व्यवस्था को लावारिस बना रही हैं। हर चौबीस घंटों में हिमाचल की विकरालता का ग्रॉफ या तो सडक़ पर मौत के जख्म लेकर आता है या चिट्टे की ओवरडोज में श्मशानघाट नजर आता है। हमें फिर से खुद को, समाज को और कानून व्यवस्था को संवारना पड़ेगा। तमाम विडंबनाओं के बीच प्रदेश को सर्वप्रथम अपनी आने वाली पीढ़ी के प्रति दायित्व बढ़ाना होगा, वरना प्रगति के तरानों के बीच आंसुओं के सैलाब, सलीब बन कर हमारे अस्तित्व पर उतर आएंगे। सरकाघाट की दुभाग्यपूर्ण घटना की आहें, हमारी सोई हुई संवेदनाओं को जगा रही हैं। सोचें यह हिमाचल में क्यों होने लगा।

प्रदेश की निगाहों और कानून-व्यवस्था की राहों से इतना दूर पहुंचा दी गई कि अब वहां कातिल की दरिंदगी और प्रदेश का अफसोस चिन्हित हो रहा है। यह कारणों का विषाद नहीं, हमारी परवरिश और समाज के टूटते दर्पण का भी दोष है। ये जो हमने अपने बच्चे गेड़ी मारने, मोबाइल घुमाने और निरंकुश इरादों के सरगना बना दिए हैं, इन्हीं कारणों का जहन्नुम हमारे सामने खड़ा है। वहां मौत के परिदृश्य में सिर्फ एक कातिल या मासूम शिकार ही नहीं, बल्कि राज्य की भागदौड़ और व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा का मातमी नजारा भी देखा जा सकता है। हमने अपने आसपास मुर्दा शहर और मरी हुई बस्तियां चुन ली हैं। हमें अपने शोर में तुम्हारी चीख नहीं सुनाई देती, ये नए जमाने का पोशाक है, फटी हुई चमड़ी नहीं दिखाई देती। खुदगर्जी के आलम में इतना खो गए हम, कि मोहल्ले हमारे सामने ढह गए। यह पतन की पराकाष्ठा है या हमारे बाजुओं में कानून व्यवस्था से बेपरवाह ताकत आ गई। अब हिमाचल में अपराध के लम्हे बढ़ रहे हैं। होंगे कहीं बेटी के मां-बाप सुबक रहे या कई घाव लिए सरकाघाट भी रो रहा होगा, लेकिन इसी धरती पर किसी मां-बाप का बेटा क्यों कातिल बना। क्यों खेती पर आजमाया दराट किसी की बेटी का कातिल बना? यह दीगर है कि कुछ युवाओं ने कातिल के कदमों को भागने नहीं दिया और जंगल ने उसकी चुगली कर दी, वरना हमारे आसपास और कानून व्यवस्था के पास-पास सन्नाटे उभरने लगे हैं।

दृष्टि कोण

ममता का विजय रथ रोकने को भाजपाई चक्रव्यूह

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में इस बार मुकाबला बहुकोणीय लग रहा है। मुख्य मुकाबला प्रदेश में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के बीच है। कई मामलों में बेहद अहम इस राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। राज्य में भाजपा के मुकाबले अन्य पार्टियों की एकता नहीं बन पायी। अनेक वामपंथी संगठनों को इस बात का मलाल है कि भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर नहीं लड़ा जा रहा है। वामपंथ के किले को ढहाकर सत्ता में आईं ममता बनर्जी लगातार तीन बार से मुख्यमंत्री हैं। चौथी बार सत्ता पर काबिज होने की कोशिश में जुटी टीएमसी कई मुद्दों पर भाजपा को घेर रही है। पड़ोसी राज्य असम की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी कुछ समीकरण समान लग रहे हैं। असम में पूर्व में कांग्रेसी रहे हैं, फिर से कुर्सी संभालने की जुगत में हैं तो यहां कभी ममता के करीबी रहे सियासी धुरंधर उनकी राजनीतिक पिच को खोदने में लगे हैं। बात चाहे भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की हो या फिर अलग पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हुमायूं कबीर की। इन सबके बीच कांग्रेस अपने तरीके से जोर लगा रही है और वामपंथियों को उम्मीद है कि उनका वोट शेयर इस बार बढ़ेगा। अलग-अलग सियासी दलों के मैदान में उतरे होने से मुद्दे भी उतने ही ज्यादा हैं। यानी मुद्दों की खिचड़ी को पकाने की कोशिश की जा रही है, जबकि 'माछ-भात' को राजनीति की 'डाइनिंग टेबल' पर परोसे जाने की भी कोशिश है। चुनाव की घोषणा होते ही निर्वाचन आयोग ने राज्य के कई शीर्ष अफसरों का तबादला कर दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा के इशारे पर हो रहा है। राज्य सरकार इन तबादलों के खिलाफ हाईकोर्ट भी गयी, हालांकि कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग की ओर से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के किए गए तबादले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। इधर, केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा इस बार पिछली बार के मुकाबले ज्यादा जोर लगाती दिख रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार 15 दिन राज्य में रहे। शाह भाजपा के मुख्य चेहरा शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के

दौरान भी मौजूद रहे। अधिकारी, ममता को उन्हीं के गढ़ में चुनौती दे रहे हैं और दो जगहों से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि भाजपा ने अभी किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि पार्टी ने इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके विकास के एजेंडे के नाम पर वोट मांगेगी। चुनावी रण में रोचक मुद्दों के बीच, पश्चिम बंगाल का मशहूर 'माछ-भात' (मछली की तरीदार सब्जी और चावल) को राजनीति की मेज पर लाने की कोशिश हो रही है। भाजपा जहां हिंदुत्व को मुद्दा बनाने की शुरू से ही कोशिश में रही है, वहीं टीएमसी 'माछ-भात बंगाली' को मुद्दा बना रही है। इस मसले का कोई विरोध कर भी नहीं सकता। असल में, टीएमसी ने इस भावना को सियासी धार देने की कोशिश करते हुए तर्क दिया है कि भाजपा हिंदी भाषी व उत्तर भारत की शाकाहार-समर्थक राजनीति से जुड़ी है और पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक पहचान के साथ उसका कोई मेल नहीं। पार्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल प्रवास के दौरान भी तंज कसा कि आप राजनीति की रोटियां सेकने आए हैं तो माछ-भात का लुत्फ जरूर उठाएं। एसआईआर की सुप्रीम जांच के आदेश के बीच, न्यायिक अधिकारियों की घेराबंदी को भाजपा जोरशोर से उठा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी रैली में इसे उठा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में सबसे मुखर रहने वालीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा को कई अन्य मुद्दों पर भी घेर रही हैं। भाजपा घुसपैठ के मुद्दे को पकड़े हुए है।

यूएसपीएल का चौथा सीजन 20 नवंबर से, फ्लोरिडा करेगा मेजबानी

फ्लोरिडा

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) का चौथा सीजन एक बार फिर धमाकेदार अंदाज में वापसी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट 20 नवंबर से 5 दिसंबर 2026 तक फ्लोरिडा के प्रतिष्ठित ब्रावर्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

लीग प्रबंधन ने इस सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी जोड़ने की भी योजना बनाई है, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक हो जाएगी। यूएसपीएल के संस्थापक और चेयरमैन जयदीप सिंह ने लीग की वापसी पर कहा, यूएसपीएल अपने चौथे सीजन के साथ विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष हम दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मनोरंजन के नए आयाम जोड़ेंगे। कई नई साझेदारियां और बड़े ऐलान जल्द किए जाएंगे। हमें खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय से जबरदस्त समर्थन मिला है और हम आगे भी उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मंच देते रहेंगे। यह सीजन क्रिकेट के त्योहार जैसा होगा, जिसमें दुनियाभर के बड़े नाम और अमेरिका के बेहतरीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

सीजन 3 की शानदार सफलता के बाद बढ़ी उम्मीदें

यूएसपीएल सीजन 4, पिछले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद आयोजित हो रहा है। सीजन 3 में न्यूयार्क काउबायज ने फाइनल में मैरीलैंड मैवरिक्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह मुकाबला भी ब्रावर्ड काउंटी स्टेडियम में ही खेला गया था। पिछले सीजन में कई अंतरराष्ट्रीय और अमेरिकी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें से कई ने भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भी अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल और तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने लीग के प्रदर्शन को विश्व कप तक जारी रखा, जबकि आलराउंडर शैडली वैन शाल्कविक ने भी अपनी छाप छोड़ी। इसके अलावा आरोन जोन्स और भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने भी टूर्नामेंट का स्तर ऊंचा किया। न्यूयार्क काउबायज के कप्तान जेक लिंटाट सीजन 3 के सबसे बड़े हीरो साबित हुए, जिन्होंने फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन कर टीम को चैंपियन बनाया। क्रिकेट के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम नए टीमों के जुड़ने, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और संस्थागत समर्थन के साथ यूएसपीएल सीजन 4 हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट का वादा करता है। यह लीग अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा का खेल बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबाल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबाल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब आस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है। क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड आफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव को जगह, सबसे कम उम्र में डेब्यू का सचिन का रिकार्ड टूटेगा

मुम्बई। वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ करांची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है।

पोलार्ड को डगआउट से चिल्लाते देख प्रशसंकों को याद आया टेप वाला मैच

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसबी) के बीच में मुंबई के डगआउट में बैठे बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड को देखकर प्रशंसकों को एक दशक पहले का वो रोमांचक मुकाबला याद आ गया, जब पोलार्ड मुंह पर टेप लगाकर मैदान पर उतरे थे। पोलार्ड ने तब अपने मुंह पर टेप अंपायर के टोकने पर विरोध जताते हुए लगा दिया था। साल 2015 में हुए इस मुकाबले में पोलार्ड की हरकतों से आरसीब के हाथ आई जीत फिसल गयी थी। तक बैंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये थे। ऐसे में आरसीबी को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला था। मुम्बई जानती थी कि क्रिस गेल के रहते ये लक्ष्य बचाना संभव नहीं है। ऐसे में मुंबई को पता था कि गेल को रोकना है तो उनकी एकाग्रता तोड़नी होगी। ऐसे में मिड-आन पर फील्डिंग कर रहे पोलार्ड लगातार कुछ न कुछ बोलते रहे। यहां तक कि बहस होने पर पोलार्ड ने गेल का हेलमेट ही पकड़ लिया। तभी ऐसे में अंपायरों ने हस्तक्षेप कर पोलार्ड को कड़ी चेतावनी दी गई इससे नाराज पोलार्ड ने एक भूरा टेप अपने मुंह पर लगा लिया।

फॉर्म में लौटी चेन्नई सुपर किंग्स, लगातार जीता दूसरा मैच, कोलकाता को 32 रन से रौंदा

चेन्नई: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 22वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। सीएसके ने इस मुकाबले में कोलकाता को पूरी तरह से डॉमिनेट किया और 32 रन से मैच अपने नाम कर लिया। बता दें कि चेन्नई की यह लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने चेन्नई में ही दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। अब सीएसके के 4 अंक हो गए हैं।

160 रन ही बना पाई कोलकाता

कोलकाता नाइटराइडर्स 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना पाई। कोलकाता के लिए सर्वाधिक 35 रन रमनदीप सिंह ने बनाए। रोवमेन पॉवेल 31 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान अजिंक्य रहाणे (28), अंगकृष रघुवंशी (27) और सुनील नरेन (24) सेट तो हुए थे। लेकिन बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। कैमरन ग्रीन गोल्डन डक का शिकार हो गए। वहीं रिंकू सिंह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे सफल गेंदबाज नूर अहमद रहे, जिन्होंने 3 विकेट लिए। 2 विकेट अंशुल कम्बोज को भी मिले। 1-1 विकेट खलील अहमद और अकील हुसैन ने लिए।

बता दें कि कोलकाता अब तक आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं जीत पाई है। केकेआर का सिर्फ एक पॉइंट है, जो उनको पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच धुलने की वजह से मिला था।

कुछ ऐसी रही थी सीएसके की पारी

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की खराब फॉर्म इस मुकाबले में भी जारी रही। ऋतुराज 6 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, इसके बाद दूसरे विकेट के लिए संजू सैमसन और आयुष म्हात्रे ने मोर्चा संभाला और 22 गेंदों में 47 रनों की अहम साझेदारी निभाई।

म्हात्रे और संजू ने खेली थी अच्छी पारी

आयुष महज 17 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 38 रन बनाने के बाद आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन ने 32 गेंदों में 48 रन बनाए। सैमसन ने अपनी इस पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए।

सरफराज खान अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 18 गेंदों में 23 रन बनाने के बाद सुनील नरेन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। डेवाल्ड ब्रेविस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। ब्रेविस ने अपनी इस पारी में 4 चौके और 2 छक्के लगाए।

अंत के ओवरों में शिवम दुबे संघर्ष करते हुए नजर आए और वह 12 गेंदों में 13 और जेमी ओवरटन 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में केकेआर की ओर से कार्तिक त्यागी ने 35 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय और सुनील नरेन ने एक-एक विकेट निकाला।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई

मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये। तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है। ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रायल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर आफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था।

खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड की चयन नीति बदलेगी, थोक में पुरस्कार बांटने के पक्ष में नहीं खेल मंत्रालय

नई दिल्ली । राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में और अधिक पारदर्शिता लाने के साथ हर वर्ष होने वाले विवादों से बचने के लिए खेल मंत्रालय ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड और द्रोणाचार्य अवार्ड की चयन नीति में परिवर्तन की तैयारी कर ली है। खेल मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि नई नीति को इस तरह से तैयार किया जा रहा है, जिसमें अवार्ड पाने के योग्य उम्मीदवारों को आवेदन की जरूरत नहीं पड़े। जिस तरह ओलंपिक और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मंत्रालय तत्काल तय नकद अवार्ड मुहैया कराता है, उसी तरह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अंकों के आधार पर अवार्ड के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित होंगे अंक सूत्रों के अनसार, अवार्ड चयन नीति में होने वाला परिवर्तन जल्द आधिकारिक होगा। नीति इस तरह की होगी, जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उनके अंक निर्धारित किए जाएंगे। फिर इन्हें मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति के सामने रखा जाएगा। मौजूदा नीति के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अर्जुन और खेल रत्न के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन के आधार पर मंत्रालय की ओर से गठित चयन समिति खिलाड़ियों का चयन कर खेल मंत्रालय को उन्हें पुरस्कार देने की सिफारिश करती है।

देहरादून में राष्ट्रीय टेबल टेनिस स्पर्धा आज से, देश के शीर्ष खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

पहली बार उत्तराखंड को मिली मेजबानी; परेड ग्राउंड के नवनिर्मित हाल में सजेगी बिसात

देहरादून

उत्तराखंड के खेल इतिहास में 15 अप्रैल का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। परेड ग्राउंड स्थित नवनिर्मित बहुउद्देशीय हाल में बुधवार से यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ होगा। यह पहला अवसर है जब देवभूमि इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। आयोजन का आगाज़ लड़कियों की अंडर-19 टीम स्पर्धा के साथ होगा।

इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 29 टीमें खिताब के लिए ज़ोर-आज़माइश करेंगी। खिलाड़ियों की व्यक्तिगत रैंकिंग के आधार पर टीमों को वरीयता दी गई है। तमिलनाडु की टीम अपनी मजबूत लाइनअप के साथ शीर्ष वरीयता प्राप्त और खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल और दिल्ली की टीमें भी कड़े संघर्ष के लिए तैयार हैं।

महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की संतुलित टीमें भी पदक की दौड़ में शामिल हैं, जबकि हरियाणा और गुजरात जैसी टीमें उलटफेर कर प्रतियोगिता को रोमांचक बना सकती हैं।

टीम स्पर्धा के साथ ही अंडर-17 लड़कियों के सिंगल्स क्वालिफिकेशन दौर के मैच भी शुरू होंगे। इसके अलावा, इसी श्रेणी के डबल्स मुकाबले भी नाकआउट आधार पर कल ही खेले जाएंगे। अंडर-19 के व्यक्तिगत और डबल्स मुकाबले अगले चरण में आयोजित होंगे। लड़कों की टीम स्पर्धाओं का आगाज़ छठे दिन से होगा, जिनके खिलाड़ी पांचवें दिन देहरादून पहुँचेंगे।

प्रतियोगिता का संचालन अनुभवी रेफरी ए.एस. क्लेर के निर्देशन में होगा। 60 सदस्यीय अंपायर टीम, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और नेशनल स्तर के अनुभवी अंपायर शामिल हैं, काडुम्पिटिशन मैनेजर एन. गणेशन के मार्गदर्शन में मैचों का संचालन करेगी। पूरे आयोजन में स्टैग ग्लोबल के अंतरराष्ट्रीय स्तर के उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच है, बल्कि आगामी राष्ट्रीय खेलों की तैयारी कर रहे उत्तराखंड की मेजबानी क्षमताओं का भी बड़ा परीक्षण होगा।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने डेब्यू मैच में ही पहले ओवर में तीन विकेट लेकर प्रफुल्ल हिंगे ने एक नया रिकार्ड बनाया है। प्रफुल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर सभी को हैरान कर दिया। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने मैच के पहले ओवर में तीन विकेट लिए हैं।

हिंगे विदर्भ की ओर से खेलते हैं। इस गेंदबाज ने 13 साल की उम्र से ही गेंदबाजी को बेहतर बनाने का प्रयास शुरु कर दिया था। वह साइकिल से अभ्यास के लिए जाते थे और कई बार स्कूल भी देर से पहुंचते थे। 16 साल की उम्र में उन्हें विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) अकादमी में प्रवेश लिया। वहीं 19 साल की उम्र में उन्होंने अंडर-19 ट्रायल्स में 36 विकेट लेकर सबको हैरान कर दिया। प्रफुल्ल शुरुआत में बल्लेबाज बनना

चाहता थे पर उनके पिता ने कहा कि उसे गेंदबाज बनना चाहिये। पिता की बात मानना इस गेंदबाज के लिए फायदेमंद साबित हुआ और पहले मैच में ही वह सफल रहे।

इस युवा की सफलता में परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पिछले तीन साल से वह आईपीएल के लिए प्रयास कर रहे थे पर चयन नहीं हो रहा था। हैदराबाद ने जब उनको 30 लाख रुपये में खरीदा जिससे उन्हें आईपीएल खेलने का अवसर मिला। प्रफुल्ल ने आईपीएल चयन के लिए बहन की शादी के दिन भी अभ्यास किया। बहन की शादी के दिन वह मुंबई टीम के लिए ट्रायल्स दे रहे थे। बहन की शादी के रिसेप्शन के दिन प्रफुल्ल हैदराबाद की टीम के लिए चल रहे

मुंबई इंडियंस के प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुंबई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेआफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेआफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेआफ में प्लेआफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेआफ में जगह बनायी थी।

डालर पर दबाव, कच्चे तेल में गिरावट अमेरिका-ईरान वार्ता से बदला वैश्विक रुख

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मंगलवार को डालर और कच्चे तेल में हलचल देखने को मिली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत की उम्मीदों ने निवेशकों के रुख को प्रभावित किया, जिससे बाजार का मूड बदला हुआ नजर आया। मंगलवार को वैश्विक बाजार में डालर पर दबाव बना रहा। डालर इंडेक्स करीब 98.3 के स्तर पर बना रहा, जो पिछले छह हफ्तों के निचले स्तर के आसपास है।

निवेशक अब सुरक्षित निवेश विकल्पों से निकलकर जोखिम वाले एसेट्स की ओर रुख

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने की उम्मीद से तेल कीमतों में नरमी

कर रहे हैं, जिससे डालर की मांग कमजोर हुई है। इस बदलाव के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद प्रमुख वजह रही। हालांकि वीकेंड पर लंबी बातचीत के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका, लेकिन दोनों देशों ने वार्ता जारी रखने के संकेत दिए हैं, जिससे बाजार को कुछ राहत मिली है। कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड आयल की कीमत 2 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 97 डालर प्रति बैरल से नीचे आ गई।

स्ट्रेट आफ होर्मुज के फिर से सुचारु होने की संभावना से सप्लाई को लेकर चिंता कम हुई है, जिसका असर कीमतों पर पड़ा। तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई को लेकर चिंता भी कुछ कम हुई है। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना थोड़ी कमजोर पड़ी है। फेड के एक अधिकारी ने संकेत दिया कि ऊर्जा क्षेत्र के झटकों का दीर्घकालिक महंगाई पर सीमित असर पड़ेगा और अगले एक साल में महंगाई लक्ष्य के करीब लौट सकती है।

वहीं ओपेक प्लस की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में उत्पादन में करीब 7.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन की कमी आई है। इसका मुख्य कारण होर्मुज क्षेत्र में आई बाधाएं रही हैं। अब बाजार की नजर इंटरनेशनल इनर्जी एजेंसी की आगामी रिपोर्ट पर है, जिससे आगे सप्लाई और मांग के संतुलन के संकेत मिल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पहली तिमाही में एप्पल ने रचा इतिहास, सेमसंग को पछाड़ बनी नंबर वन

नई दिल्ली । साल 2026 की पहली तिमाही वैश्विक स्मार्टफोन उद्योग के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रही। कंपोनेंट्स की कमी के चलते कुल शिपमेंट में गिरावट देखने को मिली, लेकिन इस दबाव के बीच एप्पल इंक ने इतिहास रचते हुए पहली बार पहली तिमाही में दुनिया का सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड बनने का गौरव हासिल किया। एस रिपोर्ट के अनुसार एप्पल ने 21 फीसदी मार्केट शेयर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है। आईफोन 17 सीरीज की मजबूत मांग, बेहतर कैमरा फीचर्स और आकर्षक ट्रेड-इन आफर्स ने कंपनी की बिक्री को नई ऊंचाई दी। यह पहली बार है जब एप्पल ने साल की पहली तिमाही में वैश्विक स्मार्टफोन बाजार में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दूसरी ओर, लंबे समय से मार्केट लीडर रही सेमसंग इलेक्ट्रानिक इस बार 20 फीसदी शेयर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई। कंपनी के गैलेक्सी एस26 सीरीज के लान्च में देरी और बजट सेगमेंट में कमजोर प्रदर्शन को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है। वहीं जियोमी 14 फीसदी मार्केट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई है, हालांकि कंपनी की सालाना बिक्री में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि जनवरी से मार्च 2026 के बीच वैश्विक स्तर पर कुल 1.26 बिलियन स्मार्टफोन शिप किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 7.5 करोड़ यूनिट कम हैं। इसके अलावा बढ़ती लागत के कारण बजट स्मार्टफोन की मांग घटी है, जबकि उपभोक्ता अब प्रीमियम और एआई-पावर्ड डिवाइस की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

एलआईसी ने दिया 1:1 बोनस शेयर का तोहफा, निवेशकों को मिलेंगे मुफ्त शेयर

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी है, जिसके तहत हर एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेगा। हालांकि इस फैसले पर अंतिम मुहर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद ही लगेगी। एलआईसी ने स्पष्ट किया है कि बोनस शेयर पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयर होंगे, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपए होगी। यह इश्यू कंपनी के रिजर्व और सरप्लस से किया जाएगा, जो 31 दिसंबर 2025 तक उपलब्ध है। बोनस के बाद कंपनी की शेयर पूंजी दोगुनी हो जाएगी, जिससे बाजार में शेयरों की संख्या बढ़ेगी। हालांकि निवेशकों की कुल वैल्यू लगभग समान रहेगी, क्योंकि शेयर की कीमत समायोजित हो जाएगी। मई 2022 में लिस्टिंग के बाद यह एलआईसी का पहला बोनस इश्यू है। सरकार की हिस्सेदारी करीब 96.5 फीसदी है और बाजार में फ्री फ्लोट कम होने से शेयर में उतार-चढ़ाव रहता है। यह कदम भविष्य में ओएफएस और बाजार लिक्विडिटी बढ़ाने में मदद कर सकता है ।

मार्च 2026 में महिंद्रा स्कार्पियो की 25 प्रतिशत बढ़ी बिक्री

नई दिल्ली। मार्च 2026 में महिंद्रा कंपनी ने अपनी पापुलर एसयूवी महिंद्रो स्कार्पियों के दम पर शानदार बिक्री दर्ज की है। महिंद्रा कंपनी ने बीते मार्च महिने में कुल 60,272 यूनिट्स की बिक्री की, जो मार्च 2025 में बिकी 48,048 यूनिट्स के मुकाबले 25.44 प्रतिशत की उल्लेखनीय सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, महिंद्रा स्कार्पियो/एन कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनी, जिसने थार और बोलेरो जैसी अन्य लोकप्रिय माडल्स को पीछे छोड़ दिया। पिछले महीने, स्कार्पियो/एन को कुल 14,578 नए ग्राहक मिले, जो मार्च 2025 की 13,913 यूनिट्स की तुलना में 4.78 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। दूसरे नंबर पर महिंद्रा थार रही, जिसकी 10,872 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की 8,936 यूनिट्स के मुकाबले 21.67 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि है। लिस्ट में तीसरे स्थान पर महिंद्रा बोलेरो रही, जिसने 9,788 यूनिट्स की बिक्री के साथ 21.88 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सह्न ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसकी 9,210 यूनिट्स बिकीं और इसने 34.43 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की। एक्सयूवी 3एक्सह्न/ईवी ने 9,199 यूनिट्स की बिक्री के साथ टाप-5 में जगह बनाई, जिसमें 30.39 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

आरबीआई ने उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक की यूनिवर्सल बैंक बनने की अर्जी लौटाई

लोन पोर्टफोलियो में और विविधता लाने की सलाह, सुधार के बाद दोबारा आवेदन का संकेत

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने उज्जीवन स्माल फायनेंस बैंक की यूनिवर्स बैंक बनने की अर्जी वापस कर दी है। केंद्रीय बैंक ने लोन पोर्टफोलियो में और विविधता लाने की जरूरत बताई है। बैंक ने अपने बयान में कहा कि आरबीआई ने उसके लोन पोर्टफोलियो में विविधता लाने के प्रयासों को सराहा, लेकिन इसे अभी पर्याप्त नहीं माना। केंद्रीय बैंक का मानना है कि बैंक को अपने कर्ज वितरण को और संतुलित और व्यापक बनाना होगा। आरबीरआई ने बैंक को सलाह दी है कि वह विभिन्न सेक्टर और श्रेणियों में अपने लोन बुक को मजबूत करे और इसके बाद दोबारा आवेदन करे। बैंक ने भी कहा है कि वह नियामक के निर्देशों के अनुसार काम करेगा और भविष्य में फिर से यूनिवर्सल बैंक का दर्जा पाने के लिए प्रयास करेगा। गौरतलब है कि फरवरी 2025 में उज्जीवन स्माल फायनेंस बैंक ने यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए आवेदन किया था। इस दौड़ में एयू स्माल फायनेंस बैंक और जन स्माल फायनेंस बैंक भी शामिल थे। इनमें से एयू स्माल फाइनेंस बैंक को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि जन स्माल फाइनेंस बैंक का आवेदन भी वापस कर दिया गया है। बैंक के वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो उसके सुरक्षित कर्ज में लगातार सुधार हुआ है। दिसंबर तिमाही तक कुल 37,057 करोड़ रुपए के लोन पोर्टफोलियो में सुरक्षित कर्ज की हिस्सेदारी 48 फीसदी थी, जो मार्च तिमाही में बढ़कर 49.4 फीसदी हो गई। इससे पहले वित्त वर्ष 25 में यह 43.5 फीसदी थी। पिछले कुछ वर्षों में बैंक ने असुरक्षित कर्ज पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम किया है। जहां पहले अनसिक्योर्ड लोन का हिस्सा करीब 70 फीसदी था, अब यह घटकर लगभग 50 फीसदी के आसपास रह गया है। बैंक का लक्ष्य मार्च 2030 तक सुरक्षित कर्ज की हिस्सेदारी 65-70 फीसदी तक पहुंचाना है।

गलत यूपीआई ट्रांजैक्शन हो गया जानिए कैसे मिलेगा आपका पैसा वापस

नई दिल्ली। देश में डिजिटल पेमेंट तेजी से आम होता जा रहा है। यूपीआई ने लेनदेन को इतना आसान बना दिया है कि अब छोटे दुकानों से लेकर बड़े शापिंग माल तक हर जगह इसका इस्तेमाल हो रहा है। मार्च 2026 में 22.64 अरब से अधिक यूपीआई ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाते हैं। लेकिन इसी सुविधा के बीच एक बड़ी समस्या भी सामने आती है- गलत यूपीआई आईडी पर पैसे चले जाना। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पैसा वापस मिल सकता है यूपीआई एक रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट सिस्टम है, जिसमें ट्रांजैक्शन होते ही पैसा सीधे रिसीवर के खाते में पहुंच जाता है। इसमें किसी भी तरह का यूएनडीओ , कैंसिल या कंट्रोल प्लस जेड जैसा विकल्प नहीं होता। एक बार यूपीआई पिन डालकर पेमेंट कन्फर्म होने के बाद बैंक उस ट्रांजैक्शन को अपने स्तर पर रिवर्स नहीं कर सकता, जब तक कि सामने वाला व्यक्ति खुद पैसा लौटाने के लिए सहमत न हो। यदि गलती से पैसा गलत व्यक्ति के पास चला जाए, तो सबसे पहले तुरंत उस व्यक्ति से संपर्क करना चाहिए। कई बार मामला बातचीत से ही सुलझ जाता है और पैसा वापस मिल जाता है। अगर सामने वाला व्यक्ति सहयोग नहीं करता, तो यूजर को तुरंत अपने यूपीआई ऐप या बैंक में जाकर रिपोर्ट इस्यु या डिस्प्युट ट्रांजेक्सन का विकल्प चुनकर शिकायत दर्ज करनी चाहिए। शिकायत दर्ज करते समय ट्रांजैक्शन आईडी, समय, राशि और स्क्रीनशाट जैसे जरूरी सबूत रखना बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसके बाद यह मामला नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) के डिस्प्यूट रिड्रेसल सिस्टम में पहुंचता है, जो पूरे यूपीआई नेटवर्क को नियंत्रित करता है। यूजर चाहें तो भीम ऐप के जरिए भी सीधे शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया और तेज हो सकती है। यदि बैंक स्तर पर भी समाधान नहीं निकलता, तो ग्राहक बैंक के नोडल अधिकारी या ग्रिवेंस रिड्रेसल सेल से संपर्क कर सकता है।

एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत बोइंग 787-8 विमान पहुंचा दिल्ली एयरपोर्ट

नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत (रिफर्बिश्ड) चौड़े आकार वाला बोइंग 787-8 विमान सोमवार देर रात दिल्ली पहुंच गया।

एयर इंडिया एयरलाइन ने मंगलवार को एक्स पर जारी बयान में बताया कि वीटी-एएनटी पंजीकरण वाला यह विमान अमेरिका के सैन बर्नार्डिनो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगातार उड़ान भरते हुए रात करीब 10 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डा पहुंचा। एयरलाइन ने तीन साल पहले चौड़े आकार वाले विमानों के अपने बेड़े के व्यापक नवीनीकरण के लिए 40 करोड़ डालर के निवेश की घोषणा की थी।

एयरलाइन ने कहा कि ये उसके 26 विमानों के नवीनीकरण कार्यक्रम के तहत पहले बोइंग 787-8 विमान का व्यापक कायाकल्प पूरा होने का संकेत है। इस विमान में आधुनिक सीटें, मनोरंजन व्यवस्था और प्रीमियम इकानमी केबिन जोड़े गए हैं। यह चौड़े आकार वाला बेड़ा मुख्य रूप से 787-8 और बी777 विमानों से बना है, जो यूरोप, अमेरिका और सुदूर-पूर्व के लंबी दूरी के मार्गों पर उड़ान भरते हैं।

कंपनी ने दिसंबर, 2022 में 40 करोड़ डालर के निवेश से अपने 27 ड्रीमलाइनर और 13 बी777 विमानों के नवीनीकरण की योजना घोषित की थी। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला और भू-राजनीतिक कारणों से इस परियोजना में देरी हुई। एयरलाइन ने कहा कि हमारा यह पहला रेट्रोफ़िटेड बोइंग 787-8, वीटी-एंट, आ गया है। यह इस प्रोग्राम के तहत 26 विमानों में से पहले विमान के केबिन को पूरी तरह से नया बनाने का काम पूरा होने का संकेत है

एयरलाइन ने बताया कि हमारे चल रहे फ्लीट ट्रांसफ़ार्मेशन में एक अहम पड़ाव है। यह हमारे मेहमानों के लिए एक बदले हुए फ्लाइंग अनुभव की बस शुरुआत है, क्योंकि ये दो-गलियारे वाले विमान यूके, यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और सुदूर पूर्व के लंबी दूरी वाले डेस्टिनेशन तक उड़ान भरेंगे और जैसे ही ये सेवा में आने के लिए तैयार होगा, और ज्यादा जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चौधरी...

जेडीयू कोटे से विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव डिप्टी सीएम पद की शपथ लेंगे। लोकभवन में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बीजेपी और एनडीए विधानमंडल दल की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री पद के लिए सम्राट चौधरी के नाम पर मोहर लगी। बीजेपी विधानमंडल दल की बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के साथ वरिष्ठ बीजेपी नेता मंगल पाण्डेय, दिलीप जायसवाल और रेणू देवी ने औपचारिक रूप से सम्राट चौधरी को पार्टी के विधायक दल का नेता प्रस्तावित किया। इस प्रस्ताव को केंद्रीय पर्यवेक्षक शिवराज सिंह चौहान ने मंजूरी दी। इसके बाद एनडीए विधानमंडल दल की बैठक में नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी का स्वागत किया और सभी सहयोगी दलों ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम का अनुमोदन किया।

सम्राट चौधरी ने बिहार की जनता की सेवा का अवसर देने के लिए बीजेपी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यह मेरे लिए सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि बिहार की जनता की सेवा करने, उनके विश्वास और सपनों को पूरा करने का एक पवित्र अवसर है। मैं पूर्ण समर्पण, प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेता हूं।

सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि वह आने वाले समय में बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में मैं बिहार को विकास, सुशासन और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहूंगा।

आपका स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।'

राज्य में प्रमुख ओबीसी चेहरा हैं चौधरी। तीन दशक से अधिक समय से राज्य की राजनीति में सक्रिय सम्राट चौधरी को पहला बड़ा राजनीतिक अवसर 1999 में मिला, जब उन्हें आरजेडी की अगुवाई वाली बिहार सरकार में कृषि मंत्री बनाया गया। उन्हें बिहार की राजनीति में एक जमीनी नेता के रूप में जाना जाता है, जिसका उदाहरण 2010 में देखने को मिला, जब जेडीयू की लहर के बावजूद उन्होंने अपनी परबत्ता सीट बरकरार रखी। उसी वर्ष उन्हें आरजेडी ने बिहार विधानसभा में अपना मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) बनाया।

हालांकि, आरजेडी के साथ सम्राट चौधरी का कार्यकाल 2014 तक ही चला। उन्होंने पार्टी छोड़कर जेडीयू का दामन थाम लिया। जेडीयू में रहते हुए वह बिहार सरकार में शहरी विकास एवं आवास विभाग मंत्री बने। इसके बाद वह 2018 में बीजेपी में शामिल हो गए। उन्हें बीजेपी ने बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया और वह 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए के स्टार प्रचारक भी रहे। इस विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 74 सीटें जीतीं और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। साल 2023 में बीजेपी ने सम्राट चौधरी को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाया।

पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 89 सीटें जीतीं और एक बार फिर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। सम्राट चौधरी, बिहार के वरिष्ठ नेता शकुनी चौधरी के बेटे हैं, जो जॉर्ज फर्नांडिस की अगुवाई वाली समता पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कभी समता पार्टी में शामिल थे। एक मजबूत ओबीसी नेता के रूप में सम्राट चौधरी, राज्य में कुशवाहा (कोएरी) समुदाय के वोटों को आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। बिहार की कुल आबादी में कुशवाहा और कुर्मी समुदाय का हिस्सा लगभग 7 से 8 प्रतिशत है।

ट्रंप का...

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से लंबी बातचीत की है। इससे पहले पीएम मोदी और ट्रंप के बीच 24 मार्च को बातचीत हुई थी। इस बातचीत में भी दोनों नेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने पर चर्चा की थी। 24 मार्च के बाद 14 अप्रैल को दोनों नेताओं ने बातचीत की है।

अमेरिका ने होर्मुज...

लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले वैसे जहाजों को आजादी है जो ईरान के बंदरगाहों में नहीं जा रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक इन्फोग्राफिक में दिखाया गया है कि नाकाबंदी की लाल रेखा ईरान के तट के साथ-साथ खींची गई है, जिससे ईरानी तेल निर्यात और आयात पूरी तरह ठप हो जाएंगे। अमेरिका के अनुसार इस मिशन में 10 हजार से ज्यादा अमेरिकी सर्विसमैन शामिल हैं। इस मिशन में 100 से ज्यादा फाइटर और सर्विलांस एयरक्राफ्ट की तैनाती की गई है। इस मिशन में अमेरिका ने अपनी बड़ी सैन्य ताकत झोक दी है। इसमें एयरक्राफ्ट कैरियर, एम्फीबियस असॉल्ट शिप, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर्स, लिटोरल कॉम्बैट शिप शामिल हैं। यह अभियान ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने का हिस्सा माना जा रहा है। इससे तेल निर्यात पर निर्भर ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी झटका लगने की आशंका है। सेंटकॉम ने जोर दिया कि नाकाबंदी निष्पक्ष है और केवल ईरानी बंदरगाहों तक सीमित है।

इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगले दो दिनों में पाकिस्तान में एक बार फिर से शांति वार्ता हो सकती है। पाकिस्तान ने भी कहा है कि इस्लामाबाद ने अमेरिका और ईरान के साथ बातचीत के दूसरे दौर का प्रस्ताव रखा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इससे पहले कहा था कि ईरान के साथ बातचीत में कुछ प्रगति हुई है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा, दूसरी तरफ से हमें बुलाया गया है और वे कोई समझौता करना चाहते हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर यह बात कही क्योंकि उन्हें प्रेस के साथ इस मामले पर चर्चा करने का अधिकार नहीं था।

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट की पूरी नाकाबंदी नहीं की है। सेंटकॉम के बयान और इन्फोग्राफिक के अनुसार अमेरिकी सेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में गैर-ईरानी बंदरगाहों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, ओमान आदि के लिए आने-जाने वाले सभी जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान कर रहे हैं। केवल ईरानी बंदरगाहों जैसे बंदर अब्बास, बुशहर, चाबहार में एंट्री करने वाले या वहां से निकलने वाले जहाजों को रोका जा रहा है।

इससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान का तेल निर्यात लगभग शून्य हो जाएगा। सेंटकॉम ने साफ किया है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा और सिर्फ ईरानी जहाजों/ईरान से संबंधित कार्गो को टारगेट किया जा रहा है।

250 रोहिंग्या...

इस शख्स ने आरोप लगाया कि जब भी पीड़ित भागने की कोशिश करते थे तो उनके साथ बुरा बर्ताव किया जाता था। इसने यह भी बताया कि उस इलाके में कई घरों का इस्तेमाल तस्करी करके लाए गए लोगों को कैद करने के लिए किया जाता था।

रफीकुल के अनुसार बाद में जहाज पर और भी यात्री चढ़ाए गए जिससे कुल संख्या लगभग 280 हो गई। इनमें 13 क्रू सदस्य और तस्कर, 21 रोहिंग्या महिलाएं और चार बच्चे शामिल थे। इन यात्रियों में से लगभग 150 रोहिंग्या थे, जबकि बाकी बांग्लादेशी थे। 4 अप्रैल की रात को उन्हें मरीन ड्राइव के पास राज-रछरा से सटे तट पर ले जाया गया और छोटी मछली पकड़ने वाली नावों पर बिठाया गया। एक समय तो उन्हें पास की झाड़ियों में छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उस समय बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का एक गश्ती दल वहां से गुजर रहा था।

रफीकुल ने दावा किया कि दम घुटने और अत्यधिक भीड़ के कारण 25 से 30 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अगर जहाज के डेक पर मौजूद लोग कंपार्टमेंट में जाने से मना करते तो तस्कर जहाज को डुबो देने की धमकी देते। रफीकुल ने बताया कि आख़िरकार बड़ी-बड़ी लहरों की चपेट में आने से जहाज पलट गया।

वह दो-लीटर वाली पानी की बोतल को पकड़कर किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहा, लेकिन वह यह नहीं बता सका कि बाकी लोगों के साथ क्या हुआ।

रेवंत ने सुझाया...

बल्कि इसे अभी से प्रभावी बनाया जाए। इसके तहत आधी नई सीटों का आवंटन जनसंख्या के आधार पर किया जाए, जबकि शेष आधी सीटों को राज्यों के आर्थिक योगदान - सकल राज्य घरेलू उत्पाद के माध्यम से मापा गया) से जोड़ा जाए।

उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण अधिक संतुलित और न्यायसंगत संघीय संरचना सुनिश्चित करेगा, जिससे विकास करने वाले राज्यों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

मिधानि द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित का किया अनावरण

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, जो उन्नत धातु विज्ञान को राष्ट्रीय श्रद्धांजलि से जोड़ती है, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर विश्व की पहली टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित प्रतिमा का सफलतापूर्वक अनावरण किया। इस ऐतिहासिक अनावरण का नेतृत्व डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक; सुश्री के. मधुबाला, निदेशक (वित्त); पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन); तथा सुश्री स्फूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, मिधानि ने किया। यह न केवल संगठन के लिए, बल्कि भारत की धातु विज्ञान एवं तकनीकी क्षमताओं के लिए भी एक गौरवपूर्ण क्षण रहा।

एक तकनीकी मील का पत्थर

टाइटेनियम मिश्र धातु की ढलाई (कास्टिंग) जो अपनी उच्च मजबूती, जंग-रोधी क्षमता तथा हल्केपन के गुणों के लिए जानी जाती है उच्च तापमान पर इसकी रासायनिक क्रियाशीलता के कारण अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है।

मिधानि ने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए एयरोस्पेस-ग्रेड सामग्रियों में अपनी विशेषज्ञता का सफलतापूर्वक उपयोग किया, जो उन्नत मिश्र धातुओं की सटीक ढलाई में भारत की क्षमता को दर्शाता है। यह प्रयास कलात्मक श्रद्धांजलि और रणनीतिक सामग्री विज्ञान के समन्वय का एक अद्वितीय वैश्विक उदाहरण है।

एक उद्देश्यपूर्ण श्रद्धांजलि

टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित यह अद्वितीय प्रतिमा निम्नलिखित का प्रतीक है:

-डॉ. अंबेडकर के विचारों की स्थायी मजबूती और उनकी अमिट विरासत

-उच्च-प्रदर्शन सामग्रियों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) की दिशा में भारत की प्रगति

-उन्नत धातु विज्ञान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता

अवसर पर मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह ऐतिहासिक पहल हमारी तकनीकी उत्कृष्टता तथा भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर के प्रति हमारे गहरे सम्मान को दर्शाती है। टाइटेनियम जो सबसे उन्नत इंजीनियरिंग सामग्रियों में से एक है का चयन करके, हम उनके आदर्शों की मजबूती, लचीलेपन और शाश्वत प्रासंगिकता का प्रतीक प्रस्तुत करते हैं।

टाइटेनियम से दी गई यह श्रद्धांजलि तकनीकी उत्कृष्टता और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के प्रति हमारे गहरे सम्मान दोनों को अभिव्यक्त करती है। टाइटेनियम की ही भांति, उनकी विरासत भी मजबूत, स्थायी और शाश्वत है।

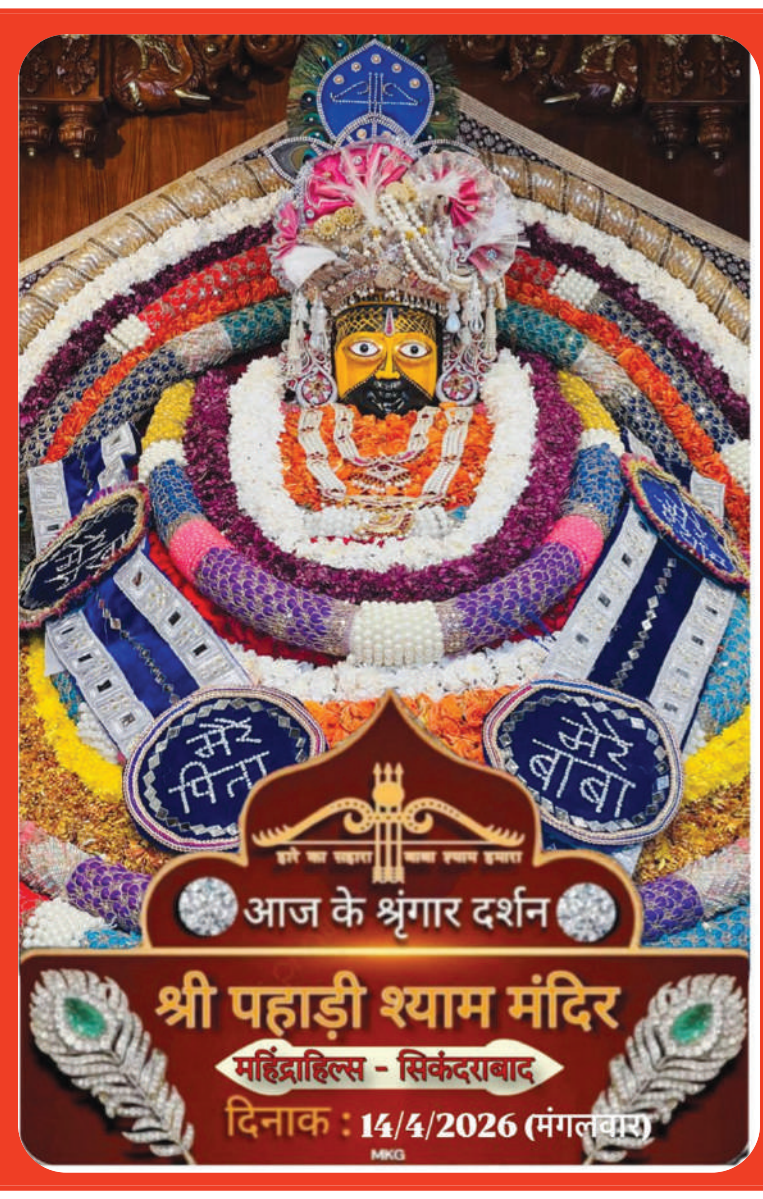

एनएमडीसी ने मनाई डॉ बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने हैदराबाद में अपने कॉर्पोरेट कार्यालय और साथ ही देश भर में अपनी सभी परियोजना स्थलों पर भारतीय संविधान के निर्माता भारतरत्न डॉ बी.आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई।

समारोह का नेतृत्व एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने किया। उनके साथ श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त) शामिल हुए तथा कर्मचारियों के साथ डॉ बीआर अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

एनएमडीसी एचओ एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एनएमडीसी एचओ एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री बी हनुमंत राव, तथा महासचिव श्रीमती सी अन्नपूर्णा के साथ सभी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समारोह की शुरुआत डॉ बीआर अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद उनके जीवन और दर्शन को नमन करते हुए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, एनएमडीसी के सीएमडी श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि डॉ बीआर अम्बेडकर ने हमें याद दिलाया था कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व अलग-अलग आदर्श नहीं हैं, बल्कि जीवन का एक तरीका है जो हमारे लोकतंत्र का मजबूत आधार हैं। उनके शब्द आज तेजी से विकसित हो रही दुनिया में अत्यधिक प्रासंगिक हैं। उनके विचार हमें स्मरण कराते हैं कि सच्ची प्रगति समावेशी और न्यायसंगत विकास सुनिश्चित करने में निहित है। एनएमडीसी में हम इन आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जहां गरिमा, निष्पक्षता और साझा प्रगति आगे बढ़ने के हमारे मार्ग को परिभाषित करती है।

डॉ. बी.आर.अम्बेडकर के कालजयी आदर्शों से प्रेरित होकर एनएमडीसी ने उनके विचारों के अनुरूप एक समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता पुनः प्रदर्शित की। उत्सव का समापन एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसके बाद बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया गया जो शिक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने पर एनएमडीसी के निरंतर फोकस को दर्शाता है।

बाहेती भवन में भक्ति की बयार रुक्मिणी विवाह का भावपूर्ण वर्णन

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन बाहेती भवन में श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा वाचिका सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी के मुखारविंद से प्रवाहित होती ज्ञान गंगा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

आज के मुख्य अतिथि नारायण लाल बाहेती, मुकेश लोया एवं सीताराम बाग मंदिर के अजय महाराज रहे।

महारास की आध्यात्मिक व्याख्या से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

छठवें दिन की कथा का प्रारंभ भगवान कृष्ण की दिव्य लीलाओं के वर्णन के साथ हुआ। सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने भगवान के महारास की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए बताया कि यह जीवात्मा का परमात्मा से मिलन का प्रतीक है, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

रुक्मिणी विवाह प्रसंग पर गूंजा बाहेती भवन

कथा के उत्तरार्ध में जब रुक्मिणी विवाह का प्रसंग आया, तो संपूर्ण बाहेती भवन जयकारों से गूंज उठा। भगवान कृष्ण और माता रुक्मिणी की मनमोहक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा और भजनों के साथ विवाह उत्सव मनाया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और झूमकर नृत्य किया।

सुश्री हरिप्रिया वैष्णवी ने बताया कि रुक्मिणी जी का पत्र भगवान के प्रति अटूट विश्वास और अनन्य प्रेम का प्रमाण है। जब भक्त स्वयं को पूर्णतः परमात्मा को सौंप देता है, तो भगवान स्वयं उसे अपनाने दौड़े चले आते हैं।

संस्कारों से जोड़ने का संदेश, महाआरती के साथ समापन

उन्होंने समाज में बढ़ती कुरीतियों पर प्रहार करते हुए सादगीपूर्ण जीवन और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी एवं प्रधान संयोजक श्री महेश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्य एवं स्थानीय राजस्थानी समुदाय के लोग पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। कथा के समापन पर महाआरती की गई और सभी भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। कल सातवें दिन कथा का विश्राम सुदामा चरित्र के प्रसंग के साथ होगा।

कार्यक्रम में हरिकिशन ओझा, मुरलीधर गुप्ता, गोविंद बिरादर, जयप्रकाश लड्ढा, बालप्रसाद लड्ढा, आशा देवी सोमानी, बबीता सोमानी, द्वारकादास काबरा, रमेश मोदानी, संजय राठी, जेठमल महाराज, गिरिराज महाराज, श्याम महाराज, दामोदर सोमानी, जया सोमानी, प्रेमा लाहोटी, उर्मिला मोदानी, बालप्रसाद मोदानी, चांदमल सीताराम गोयल, नारायण बाहेती, प्रेमलता बाहेती, कमल भट्टड़ सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

सिखों ने खालसा साजना दिवस को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिख समुदाय ने मंगलवार (14 अप्रैल, 2026) को 327वां खालसा साजना दिस (खालसा पंथ स्थापना दिवस समारोह) जिसे लोकप्रिय रूप से बैसाखी उत्सव के नाम से जाना जाता है, पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। गुरुद्वारा साहिब अमीरपेट की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा गुरबानी कीर्तन, पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पालकी यात्रा, विशाल नगर कीर्तन, गतका कौशल का रोमांचक प्रदर्शन और गुरु का लंगर का आयोजन किया गया।

विशाल दीवान एवं कीर्तन समारोह

समारोह का मुख्य आकर्षण अमीरपेट स्थित श्री गुरु गोबिंद सिंह जी खेल के मैदान में आयोजित विशाल दीवान रहा, जो सुबह से शाम 5 बजे तक चली। इसमें सैकड़ों सिख श्रद्धालु एवं अन्य समुदायों के लोग एकत्रित हुए। देश के विभिन्न हिस्सों से आमंत्रित प्रतिष्ठित रागी जत्थों और कथाकारों ने पवित्र गुरबानी कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन प्रस्तुत किए। भाई एस. गुरदेव सिंह (ऑस्ट्रेलिया), ज्ञानी गगनदीप सिंह जी (पटना साहिब), भाई एस. मनप्रीत सिंह जी (दिल्ली), भाई वीर सिंह (हैदराबाद) सहित अन्य प्रसिद्ध रागियों ने कीर्तन और कथाएं प्रस्तुत कीं। उपदेशकों ने दैनिक जीवन में उच्च मानवीय मूल्यों को अपनाने पर जोर देते हुए खालसा पंथ की स्थापना की महत्वता बताई और श्रद्धालुओं से गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाओं का पालन करने का आह्वान किया, जो राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारा और विश्व शांति का संदेश देती हैं। गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एस. दर्शन सिंह और महासचिव एस. सुरेंद्र सिंह ने राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया। सभा समाप्ति पर सभी को पारंपरिक गुरु का लंगर परोसा गया।

रंगारंग नगर कीर्तन एवं गतका प्रदर्शन

शाम को गुरुद्वारा साहिब अमीरपेट से एक विशाल और रंगारंग नगर कीर्तन निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्रीनलैंड्स, बेगमपेट और पंजागुट्टा जैसे मुख्य मार्गों से होती हुई वापस गुरुद्वारा पहुंची। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को सुंदर ढंग से सजाए गए वाहन पर ले जाया गया, जिसके पीछे निशान साहिब चल रहे थे। पुरुषों, महिलाओं और युवाओं के कीर्तनी जत्थों ने शबद कीर्तन प्रस्तुत किए। विशेष आकर्षण सिख युवाओं द्वारा गतका का रोमांचक प्रदर्शन रहा, जिसमें उन्होंने कृपाणों, तलवारों और अन्य कुंद हथियारों के साथ असाधारण करतब दिखाए। यह प्रदर्शन इतना शानदार था कि मार्ग पर मौजूद लोग मंत्रमुग्ध होकर देखते रहे। शोभायात्रा के पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं और राहगीरों को कड़ा प्रसाद, चाय और नाश्ता वितरित किया गया।

आगामी रैन सबाई कीर्तन दरबार

इसी कड़ी में वैसाखी रैन सबाई कीर्तन दरबार (रात्रि कालीन सभा) 15 अप्रैल, 2026 को रात 9 बजे से 1:30 बजे तक गुरु गोबिंद सिंह जी स्पोर्ट्स प्लेग्राउंड, अमीरपेट में आयोजित किया जाएगा। इसमें भाई एस. गुरदेव सिंह (ऑस्ट्रेलिया), ज्ञानी गगनदीप सिंह जी (पटना साहिब), भाई एस. मनप्रीत सिंह जी (दिल्ली), भाई वीर सिंह (हैदराबाद) सहित अन्य प्रतिष्ठित रागी जत्थे शबद कीर्तन प्रस्तुत करेंगे।

विशाखापट्टनम गुजराती समाज की भव्य बैठक

भवन निर्माण के लिए उदार दानदाताओं ने दिखाया उत्साह

विशाखापट्टनम, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार तारीख 12/04/2026 को विशाखापट्टनम श्री गुजराती समाज भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विशाखापट्टनम गुजराती समाज के ट्रस्टी चेयरमैन श्री जशमतभाई पटेल, 'लव फॉर काउ फाउंडेशन' के ट्रस्टी रिद्धिश भाई जागीरदार, और 'लव फॉर काउ फाउंडेशन' के ट्रस्टी एवं हैदराबाद-सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्म समाज के अध्यक्ष श्री तरुणभाई मेहता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

माताजी की स्तुति और श्रद्धांजलि के साथ शुभारंभ

बैठक का शुभारंभ माताजी की स्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात मानद सचिव श्री आई. के. पटेल ने समाज की दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखने का अनुरोध किया, जिसके अनुसार उपस्थित सभी सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात, सचिव श्री आई. के. पटेल ने हैदराबाद से आए सभी अतिथियों और उनके सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा हैदराबाद से आए मेहमानों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

भवन निर्माण योजना और दानदाताओं का उदार योगदान

गुजराती समाज के अध्यक्ष श्री हिम्मतभाई पटेल ने वर्तमान समिति और अध्यक्ष द्वारा अब तक किए गए सामाजिक कार्यों का विस्तृत विवरण दिया। विशेष रूप से, उन्होंने समाज भवन के दूसरे चरण के निर्माण की आवश्यकता और इससे भविष्य में होने वाले आर्थिक लाभों की योजना बताई। इस योजना के अनुसार, भवन के ऊपर 22 कमरे बनाकर समाज की वार्षिक आय बढ़ाने पर चर्चा की गई और आर्थिक फंड जुटाने की योजना प्रस्तुत की गई। उन्होंने इस विषय पर उपस्थित भाइयों और बहनों से उनके विचार और सुझाव साझा करने का आह्वान किया। बैठक में निर्माण कार्य के लिए निम्नलिखित रूप से फंड दर्ज किया गया: समाज की महिला नेता और पूर्व अध्यक्ष की धर्मपत्नी जयश्रीबेन चोकसी ने सुझाव दिया कि: ''समाज भवन के निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए दानदाता अपने परिवार की ओर से योगदान दें और एक कमरा अपने परिवार के नाम से दर्ज करवाकर उदारतापूर्वक दान दें। यदि आप ऐसी योजना घोषित करते हैं, तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी अपेक्षा से भी जल्दी भवन की ऊपरी मंजिलों का निर्माण पूरा हो जाएगा और समाज की आय बढ़ेगी।''

उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस बात का स्वागत किया। इसके बाद सभी ने खुले दिल से चर्चा की और एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना व्यक्त की। चर्चा के अंत में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि: समाज का कोई भी सदस्य अपने परिवार के नाम पर एक कमरा बनवाने के लिए 5,00,000 (पांच लाख रुपये) का योगदान दे सकता है। दान देने वाले परिवार की इच्छा के अनुसार, कमरे पर नाम की पट्टिका (नेम प्लेट) समिति द्वारा निर्धारित तरीके से लगाई जाएगी। इस निर्णय को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

घोषणा के तुरंत बाद, निम्नलिखित व्यक्तियों ने स्वेच्छा से अपने परिवार की ओर से एक-एक कमरे के लिए 5-5 लाख का दान दर्ज कराया: जयश्रीबेन चोकसी परिवार, चंद्रकांत पी. पटेल परिवार, सुधीर भाई ओझा परिवार, संजयभाई पटेल परिवार, हिम्मतभाई पटेल परिवार। इसी दौरान, समाज के सक्रिय कार्यकर्ता और नेता श्री मावजीभाई वाघमशी ने अपने परिवार की ओर से समाज को 51,000/- का दान दिया, जिसे सभी ने तालियों के साथ स्वीकार किया। सभी दानदाताओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

गौ सम्मान आह्वान अभियान की जानकारी एवं समापन

अंत में, मानद सचिव श्री आई. के. पटेल ने आभार व्यक्त किया और बाहर से आए मेहमानों का विशेष धन्यवाद किया। इसके बाद श्री जशमतभाई एवं रिद्धिश जागीरदार ने गौ सम्मान आह्वान अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी और इसमें भाग लेने की अपील की। सभी ने तन-मन-धन से सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक के पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और विदा हुए।

अन्नदान से सजा जन्मदिन, सरिता अग्रवाल ने राधे-राधे ग्रुप को कहा धन्यवाद

हैदराबाद , 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास आज समाजसेवी सुनील अग्रवाल का जन्मदिन अत्यंत भव्य, प्रेरणादायक एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन करवाया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा, सहयोग और मानवता की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जिससे वातावरण भक्तिमय और भावुक हो उठा।

इस अवसर पर श्री सुनील अग्रवाल की धर्मपत्नी सरिता अग्रवाल ने अपने भावुक विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने उन्हें ऐसा पावन अवसर प्रदान किया है, जिसे वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगी। उन्होंने ग्रुप के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने पति के जन्मदिन को सेवा के रूप में मनाना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। जरूरतमंदों को अपने हाथों से भोजन कराना उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बन गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत उत्सवों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप द्वारा जन्मदिन जैसे अवसरों को सेवा से जोड़ना वास्तव में सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। यह समाज को यह संदेश देता है कि खुशियों को बांटने का सबसे सुंदर तरीका जरूरतमंदों की सेवा करना है।

इस अवसर पर सरिता अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, आँचल अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल, आरव अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन इलाकुर्थी, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, महेश गुप्ता, महेश अग्रवाल, गौरव गोयल, मनीष चिंडालिया, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा एवं नयन गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर सुनील अग्रवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और राधे-राधे ग्रुप के इस सेवा अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सभी ने एक स्वर में कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और भविष्य में भी इस प्रकार के अन्नदान कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

सनतनगर में सुंदरकांड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सनथ नगर में माथुर बेस्ट इंटरनेशनल द्वारा सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने श्रद्धा भाव से हनुमान चालीसा का पाठ एवं भजन-कीर्तन में भाग लिया। भजन गायक द्वारा प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिता में सीता का रूप धारण करने वाली साक्षी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर माथुर बेस्ट जोनल डॉक्टर मालती गुप्ता का सम्मान किया गया, साथ ही केबिनेट पर्सन कंचन गुप्ता का सम्मान सपना गुप्ता द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें गेम्स एवं तंबोला विशेष आकर्षण रहे। उपस्थित सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में सभी के लिए भोजन की सुंदर व्यवस्था की गई। इस अवसर पर कमलेश, ज्योति, रचना, अंजू, रेखा, सुनीता, सत्यम, कंचन, जनक, रिंकल, भाग्य, वैशवी सहित अन्य गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

परीलोक महिला मंच की मासिक सभा

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परीलोक – आधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की मासिक सभा का आयोजन क्रीम सेंटर, बेगमपेट, हैदराबाद में किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन रंजु अग्रवाल द्वारा किया गया। सभा में सभी महिला सदस्यों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक रीचा अग्रवाल ने बताया कि संस्था की मुख्य संयोजक रंजु अग्रवाल, जो अंक विज्ञान और तंत्र विशेषज्ञ हैं, ने भागवत मंत्रों के माध्यम से परिवार, समाज और व्यवसाय में आने वाली समस्याओं से निजात पाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर संस्था की सदस्य लवली, सिमरन, टीना, नीना, नवनीत, जोत, मुक्ता, सोनिया और सोनाली ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। सभा के सफल संचालन के लिए नवनीत को विशेष आभार व्यक्त किया गया।

500 से अधिक बचाए गए गौवंश को ध्यान फाउंडेशन गौशाला में मिला नया आश्रय

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले एक महीने में तेलंगाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 500 से अधिक गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। इनमें से अधिकांश गौवंश को बहादुरपुर बूचड़खाने में अवैध वध के लिए ले जाया जा रहा था, जबकि कुछ को वध हेतु केरल भेजने की तैयारी थी। इस बचाव अभियान में राजेंद्रनगर, टीगाला वेंकटेश्वर, पहाड़ीशरीफ, आर.जी.आई. एयरपोर्ट, मुशीराबाद, दुंडीगल, मेडचल, मुलुगु, भोंगिर, नारायणपुर और चौटुप्पल पुलिस स्टेशनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस द्वारा मुक्त कराए गए इन गौवंश को शमशाबाद और यादगीरगुट्टा स्थित ध्यान फाउंडेशन गौशाला को सौंपा गया। ध्यान फाउंडेशन की स्वयंसेविका एवं हैदराबाद गौशाला की प्रबंधक मीनाक्षी विजयवर्गीय ने बताया कि जब ये गौवंश गौशाला पहुंचे,

तब उनकी स्थिति अत्यंत दयनीय थी। वे गंभीर रूप से कुपोषित थे और कई दिनों से भोजन नहीं मिलने के कारण कमजोर हो चुके थे। अनेक गौवंश पुरानी बीमारियों से ग्रस्त थे, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल थे।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन की टीम ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए सभी गौवंश को सुरक्षित उतारा और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता, भोजन और पानी उपलब्ध कराया।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले इन गौवंश को महाराष्ट्र और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों की सीमाओं से पार कराया गया था, जिससे यह मामला अंतरराज्यीय तस्करी से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।

ध्यान फाउंडेशन की हैदराबाद स्थित गौशालाओं में वर्तमान में 3500 से अधिक बीमार, घायल, लावारिस, अनाथ एवं बचाए गए गौवंश रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश नंदी और नर बछड़े हैं। फाउंडेशन देशभर में 45 से अधिक आश्रय गृह संचालित कर रही है, जहाँ प्रतिदिन 80,000 से अधिक गौवंश की देखभाल की जाती है।

पहाडी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में एकादशी के उपलक्ष्य प्रेमी पहाड़ी श्याम के के द्वारा आयोजित 'साँवरिये से मन री बात' भजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा । भजन गायक एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया एवं ट्रस्टी प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, मनीश बंसल, रवि सबलका, विजय अग्रवाल, रुपेश सिंघानिया, ब्रिजेश मोदी, प्रेमी पहाड़ी श्याम के सदस्य एवं उपस्थित भक्तगण ।

स्थानीय अयप्पा भक्तों ने अयप्पा जन्मदिन (जयंती) के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी 14 अप्रैल को स्थानीय पुराना बस स्थानक हनुमान मंदिर में महा प्रसाद का आयोजन किया।

महेश्वरम गुरुकुल के चमकते हीरे

महेश्वरम, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में महेश्वरम सोशल वेलफेयर गुरुकुल के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की। उन्होंने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि गरीब, निर्धन और कमजोर वर्ग के छात्र भी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

पहले वर्ष में 77 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 94.8% पास रेट के साथ सफलता प्राप्त की। कॉलेज टॉपर एमपीसी से टी. शालिनी 458 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि एस. तेजश्री 456 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। बीपीसी से वी. मैत्री ने 437 और एन. मधुप्रिया ने 435 अंक हासिल किए।

दूसरे वर्ष में 75 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और सभी ने 100% पास रेट के साथ सफलता प्राप्त की। महेश्वरम सोशल वेलफेयर गर्ल्स गुरुकुल स्कूल की प्रिंसिपल श्री लक्ष्मी ने बताया कि कॉलेज टॉपर एमपीसी में जी. कीर्तना ने 951 और एन. काव्या ने 948 अंक प्राप्त किए। वहीं बीपीसी में आर. अर्चना ने 957 और बी. दिव्या ने 929 अंक हासिल कर कॉलेज टॉपर बनीं।

प्रधानाचार्य लक्ष्मी ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि कॉलेज की शान और प्रतिष्ठा को और ऊँचा करती है।

मसाप में 19 को छिड़ेंगे भावनात्मक संगीतमय तार

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मराठी साहित्य परिषद् (मसाप) तेलंगाना, हैदराबाद की 68वीं वर्षगांठ के मौके पर, रविवार, 19 अप्रैल को शाम 5 बजे महाराष्ट्र की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का दर्शन कराने वाला संगीतमय कार्यक्रम भावेनेशी सुर जुलता (भावनाओं से सुर जुड़ने पर...) का आयोजन किया जाएगा। इसामिया बाजार स्थित मसाप के स्व. काशीनाथराव वैद्य सभागार में यह कार्यक्रम होगा।

मसाप की अध्यक्षा डॉ. विद्या देवधर और महासचिव डॉ. शैलजा जोशी ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

इस भव्य कार्यक्रम की संकल्पना और प्रस्तुति किशन वतनी द्वारा की जाएगी। आंध्रलता विदुषी स्व. आशालता कुलकर्णी, करलगीकर की पुत्री व सुप्रसिद्ध गायिका कविता वतनी सुमधुर आवाज में गायन करेंगी।

कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें इमोशनल इंटेलिजेंस, सेल्फ-अवेयरनेस के ज़रूरी पहलुओं पर दिल को छू लेने वाले भावगीत, भक्तिगीत, ग़ज़लों की प्रस्तुति होगी। विज्ञप्ति में समस्त संगीत प्रेमियों और साहित्यकारों से कार्यक्रम में पधारने का अनुरोध किया गया है।

गुरुद्वारा साहेब अमीरपेट द्वारा बैसाखी शोभा यात्रा में दर्शन प्राप्त करते हुए बीआरएस नेता उत्तम सिंह राजपुरोहित, सरदार गुरमीत सिंह, हंसराज कोठारी, प्रेम सिंह राजपुरोहित, महावीर जैन, गजानंद यादव, वेंकटेश एवं अन्य।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट प्रेसिडेंट और टीएनजीओ यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना सेंट्रल फोरम के अध्यक्ष के.आर. राजकुमार द्वारा टैंक बंड स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उनके साथ फोरम के संयुक्त सचिव सुदर्शन, संगठन सचिव श्री डिल्लू शिव, कार्यकारिणी सदस्य शिवराज, कल्याण और श्री बालाजी गोस्वामी, बैंला श्रीनिवास सहित पुरुषोत्तम,अनिल, शेखर गौड़, बचन सिंह, कलीम, पांडुरंगा, सवथ यादव, श्रीनिवास, संजीव, श्रीकांत और सागर ने भी भाग लिया।

पोचाराम ने डॉ. अंबेडकर को उनकी 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

बांसवाड़ा, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत रत्न और भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी तथा राज्य एग्रोस के चेयरमैन श्री कसुला बलराजू ने बांसवाड़ा शहर में बस स्टैंड के सामने स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर बांसवाड़ा डीएसपी, शहर के प्रतिनिधि, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, अंबेडकर संगम के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्री पोचाराम ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर ने आज़ादी के बाद भारत के प्रशासन को सरल बनाने के लिए ऐसा संविधान लिखा जो करोड़ों की आबादी, विभिन्न जातियों, धर्मों और संस्कृतियों वाले देश को एक लोकतांत्रिक ढांचे में जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि आज भारत में शासन लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से काम कर रही हैं, यह अंबेडकर के संविधान की प्रेरणा है।

उन्होंने आह्वान किया कि हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक समान और न्यायपूर्ण भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बजरंग सेना के नेताओं ने गौलीगुड़ा स्थित किशनगंज नाला पर आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव और ग्रेटर हैदराबाद अध्यक्ष मनोज मोगलगिद्दी ने इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में मासाब टैंक स्थित पोचम्मा बस्ती में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम का आयोजन टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट प्रेसिडेंट और टीएनजीओ यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना सेंट्रल फोरम के अध्यक्ष के.आर. राजकुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय नेताओं और सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख रूप से वेंकट, राजैया, शिवकुमार, वीरू, महेश गौड़, मरेश गौड़, श्रीनिवास और फोरम के संयुक्त सचिव श्रीनिवास बाबू शामिल थे।

तेलंगाना में धूमधाम से मनाई गई डॉ.अंबेडकर जयंती

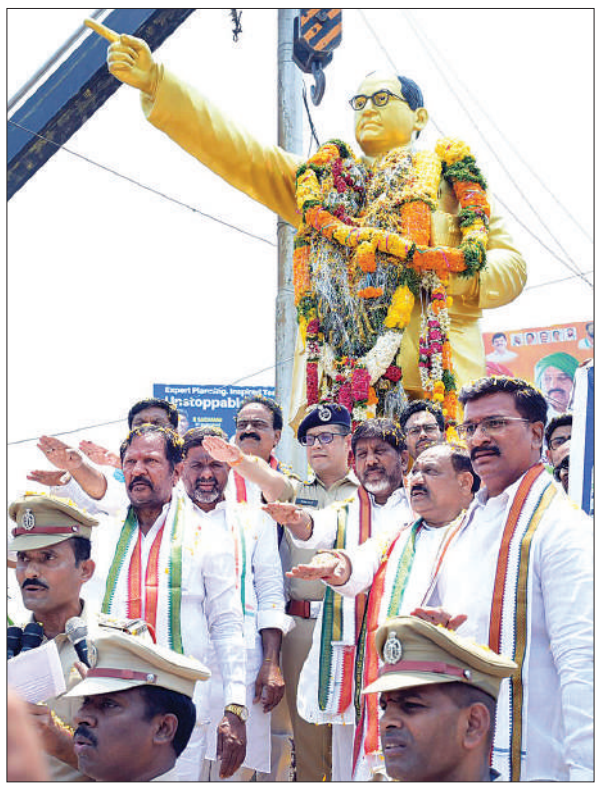

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राज्य सरकार ने एचएमडीए मैदान में 125 फुट ऊंची डॉ.अंबेडकर प्रतिमा के पास मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने संयुक्त रूप से इस विशाल प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और इस अवसर को पूरी गरिमा और गर्व के साथ मनाया। इस कार्यक्रम के दौरान एक विशेष ब्रोशर भी जारी किया गया, जिसका उद्देश्य डॉ.अंबेडकर के आदर्शों को लोगों के और करीब लाना था।

इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जुपल्ली कृष्णा राव और वकिति श्रीहरि के साथ-साथ विधायक और अन्य जन प्रतिनिधि शामिल थे।

श्री भट्टी विक्रमार्क ने सभा को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर को असाधारण बुद्धि वाले एक दूरदर्शी व्यक्ति करार दिया जिन्होंने संविधान के माध्यम से भारतीय लोकतंत्र की नींव रखी। उन्होंने कहा कि डॉ.अंबेडकर ने प्रत्येक नागरिक के लिए समान अधिकारों को सुनिश्चित किया, और महिला सशक्तिकरण तथा श्रमिक कल्याण की वकालत करने में अग्रणी भूमिका निभाई।

उन्होंने डॉ.अंबेडकर के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए उल्लेख किया कि स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए 'हिंदू कोड बिल' पेश किया था और न्याय की खातिर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया। उन्होंने श्रमिकों के काम के घंटों को 12 घंटे से घटाकर 8 घंटे करने तथा मातृत्व लाभ और श्रमिक कानूनों की वकालत करने का श्रेय भी अंबेडकर को दिया।

उन्होंने कहा, संविधान के माध्यम से ही हम अपने अधिकारों, स्वतंत्रताओं और सत्ता से सवाल पूछने की क्षमता का आनंद ले पाते हैं।

भाजपा द्वारा संविधान को कमजोर करने के आरोप पर श्री विक्रमार्क ने आगाह किया कि ऐसे कार्यों से नागरिकों के अधिकार खतरे में पड़ सकते हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट होने और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने का आह्वान किया और एकजुटता दिखाते हुए 'जय भीम' का नारा लगाया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें राजभवन में पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने बाबासाहेब को भारत के महानतम सपूतों में से एक बताते हुए कहा कि उनका जीवन विपरीत परिस्थितियों पर मानव आत्मा की विजय का प्रेरक उदाहरण है।

उन्होंने डॉ. अंबेडकर को दूरदर्शी समाज सुधारक और प्रख्यात विधिवेत्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन न्याय, समानता और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा, उनकी विरासत गरीबों और हाशिए पर खड़े लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक मजबूत संदेश है।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के नेतृत्व में तैयार भारतीय संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है और यह अवसर नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने की प्रेरणा देता है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर गौलीगुड़ा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, कृष्ण राजन, प्रो. भगवान रेड्डी एवं अन्य।

रहीमपुरा, कारवान स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर भवन के पास बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विधायक टी. राजा सिंह एवं अन्य।

रहीमपुरा, कारवान स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर भवन के पास डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करती हुईं पूर्व पार्षद श्रीमती परमेश्वरी, राकेश सिंह, शशिरात सिंह, मनोहर गोयवाड, अनिल कुमार, राजु सोनी, रवि, बाबू राव एवं अन्य।

भाजपा ने दी डॉ. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि

बांसवाड़ा, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बांसवाड़ा ब्रांच ने भारतीय संविधान के निर्माता और भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति पर माला पहनाकर तथा महापुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर बीजेपी शहर अध्यक्ष कोंडाला गंगारेड्डी ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा रचित संविधान के कार्यान्वयन से आज गरीब और मध्यम वर्ग को न्याय मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी को अंबेडकर के आदर्शों को अपनाना चाहिए और उनके नक्शेकदम पर चलना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अंबेडकर को एक आदर्श के रूप में ग्रहण करें।

कार्यक्रम में बीजेपी जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, जिला उपाध्यक्ष चिदूरा सैलू, जिला सचिव शंकर गौड़, बीजेपी नगर पार्षद गज्जाला महेश, बीजेपी शहर महासचिव उमेश, बीजेपी नेता श्रीनिवास, लक्ष्मीनारायण, चीकटला, राजू, कोंडानी, गंगाराम, चंद्रशेखर, गौड़, शंकर, लक्ष्मी, ममता, भूमेश, साई रेड्डी, वेंकट समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार ने आरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल खत्म करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 14 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को आरटीसी कर्मचारियों से प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की अपील की और कहा कि जनहित एवं परिवहन निगम की रक्षा करते हुए सभी चिंताओं का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जा सकता है। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने 22 अप्रैल से राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। राज्य परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एक बयान में कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है और कर्मचारियों की शिकायतों को सौहार्दपूर्ण तरीके से दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आरटीसी के सरकार और ट्रेड यूनियनों के साथ विलय से संबंधित मुद्दे आधिकारिक अधिकार क्षेत्र में आते हैं लेकिन अन्य सभी चिंताओं पर बातचीत का रास्ता खुला है।

मंत्री ने कहा, हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। कर्मचारी किसी भी समय आगे आकर अपनी समस्याएं बता सकते हैं। उन्होंने कर्मचारी कल्याण के लिए हाल ही में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला, जिनमें 2.1 प्रतिशत महंगाई भत्ता लागू करना शामिल है और बताया कि कोई भी डीए बकाया लंबित नहीं है। सरकार आरटीसी कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन आयोग पर भी विचार कर रही है।

विलय के मुद्दे पर प्रभाकर ने कहा कि पिछली सरकार ने नौ सितंबर, 2023 को एक समिति का गठन किया था लेकिन यह चुनावों से पहले जल्दबाजी में उठाया गया कदम था।

उन्होंने आगे कहा कि तब से लगातार हो रहे चुनाव कार्यक्रमों ने आगे की प्रगति में देरी की है जिसके कारण वर्तमान प्रशासन द्वारा एक व्यापक समीक्षा की आवश्यकता है।

मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद तेजी से कार्रवाई की और 48 घंटों के भीतर महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू की जिससे आरटीसी सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि एक समय गंभीर संकट से जूझ रहा संगठन अब उससे उबर रहा है और कथित रूप से 90 से अधिक डिपो लाभ में चल रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार तीन प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है जिसमें आरटीसी संगठन की सुरक्षा, कर्मचारियों का कल्याण और यात्रियों की सुविधा शामिल हैं।

महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार के चरण में औद्योगिक कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देते हुए श्री प्रभाकर ने कहा कि हड़ताल से जनता को असुविधा होगी और संगठन की प्रगति प्रभावित होगी।

उन्होंने हाल के महीनों में शुरू किए गए सुधारों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की जिनमें पीएफ बकाया को 1,205 करोड़ रुपये से घटाकर 600 करोड़ रुपये करने और सीसीएस बकाया को 690 करोड़ रुपये से घटाकर 300 करोड़ रुपये करना शामिल है।

इसके अलावा, 2,978 नई बसें शामिल की गई हैं और 1,134 अनुकंपा नियुक्तियां की गई हैं। नए पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही नियुक्तियां होने की उम्मीद है।

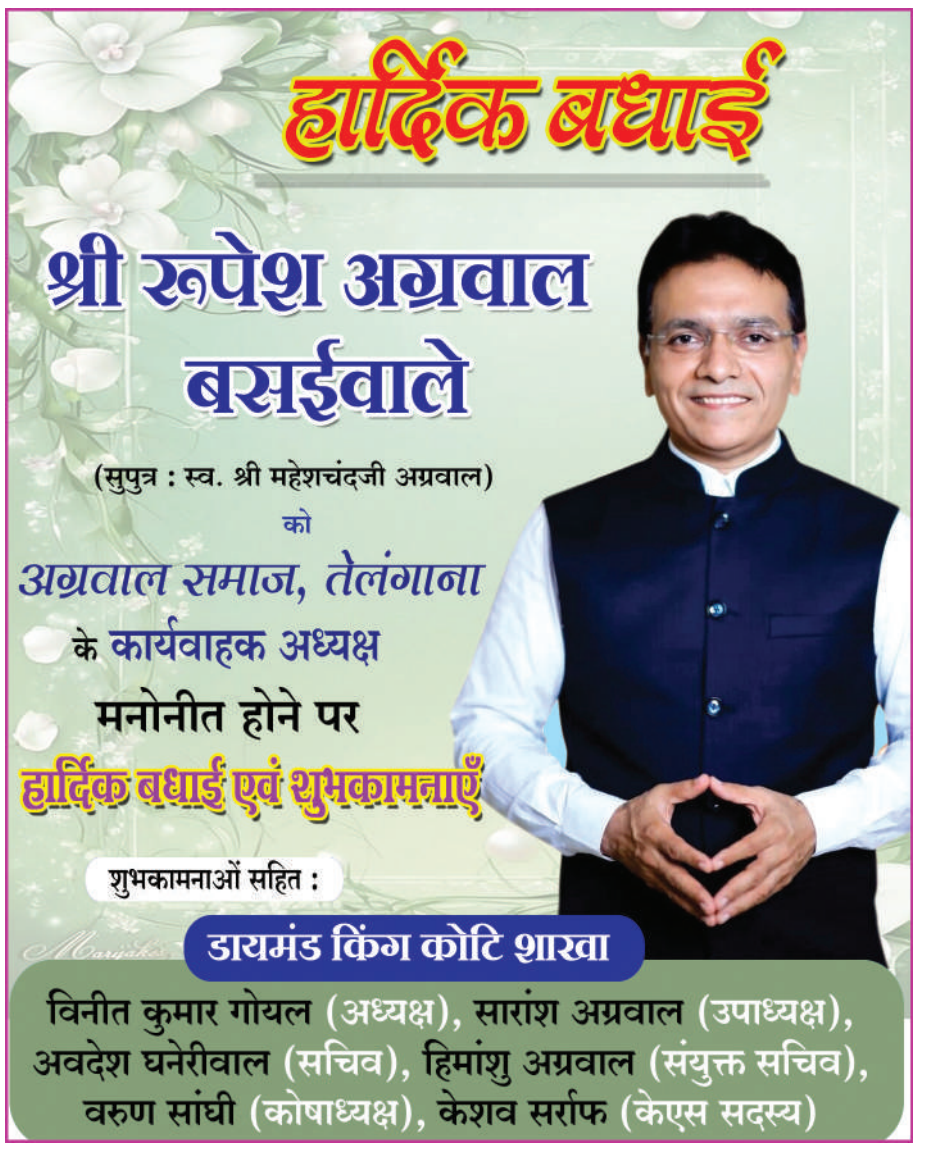

PUBLIC CAUTION NOTICE

Under instructions and on behalf of my clients Rupesh Kumar Agarwal (Acting President), Vikash Kumar Keshan (General Secretary), and Achal Gupta (Treasurer), it is hereby notified that on dated 12-04-2026, ANNUAL GENERAL MEETING was conducted in that NO CONFIDENCE MOTION was passed against the president namely Mr. Anirudh Gupta.

It is further informed that there is a existing Bank accounts in the name of **AGARWAL SAMAJ** in **AGRASEN BANK**, **Siddiamber Bazar and ICICI Bank, M.G. Road, Secunderabad.**

All Banks and Financial Institutions are hereby **cautioned not to act upon** any unilateral instructions or representations, nor to open/operate any bank accounts **in the name of AGARWAL SAMAJ without specific concerned from my clients.**

Any person dealing in this regard shall do so at their own risk and consequences.

Date: 14-04-2026
Place: Hyderabad

M. SOHAIL MALIK
Advocate
Office # S.R.T-6, Ground Floor,
Shahnawaz Apartment,
Hyderabad-500018. Telangana.
Mobile: +91-6305646018.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.